CAREER & EDUCATION

# अमर उजाला उड़ान

वर्ष 08 | अंक 37 | बुधवार | 2 सितंबर 2020 | ₹1

# SOFT SKILLS

## सामान्य कौशल

## कामयाब करियर में मददगार

## करियर मंत्रा

टीवी रिपेयरिंग का कौशल प्राप्त कर आप स्वरोजगार और जॉब में से कोई भी एक चुन सकते हैं...

PAGE 06

PAGE 10

## एजुकेशन

इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स कर आप एक बेहतरीन पैकेज पर काम कर सकते हैं...

VISIT…

## धैर्य के साथ

# पार करें बाधाएं

*बड़ा सोचो,*
*जल्दी सोचो,*
*आगे की सोचो*
*क्योंकि विचारों पर*
*किसी का*
*एकाधिकार नहीं है।*
*- धीरुभाई अम्बानी*

संयुक्त राज्य अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति रहे फ्रेंकलिन डि रूजवेल्ट का विचार था कि 'जिसके पास धैर्य है उसे उसका फल अवश्य मिलता है।' उनका यह भी मानना था कि जब आप अपनी रस्सी के अंत तक यानी सफलता के नजदीक पहुंच जाते हैं, तो उसमें एक गांठ लगाओ और मजबूती से पकड़ो यानी अपने परिश्रम की पराकाष्ठा को अंजाम दो ताकि सफलता आपसे छूटकर न जा पाए।

कहने का मतलब यह है कि सफल व्यक्ति का निर्माण जिन गुणों से होता है, उनमें एक बड़ा गुण है धैर्य और सहनशीलता। धैर्यवान रहकर हम किसी भी विपरीत स्थिति पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। सहनशीलता और धैर्य खो देने पर हमारा विवेक नष्ट हो जाता है। हम सही निर्णय नहीं ले पाते हैं। उसकी हानि हमें उठानी पड़ती है।

धैर्य से ही हम किसी को उसके गलत कृत्य के लिए पराजित कर सकते हैं। धैर्य किसी भी अस्त्र, शस्त्र, तोप, तलवार, बम आदि से बड़ी शक्ति है। धैर्य खो देने से एक नहीं अनेक संकट उत्पन्न होते हैं। जबकि धैर्य धारण करने से मानसिक शांति उत्पन्न होती है।

धैर्य मनुष्य का अभिन्न अंग है। जिसका जीवन में उपयोग करने की जिम्मेदारी हमारी होती है। धैर्य से बढ़ी से बढ़ी समस्या हल हो जाती है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने धैर्य के बल पर ही अंग्रेजों से देश आजाद कराया था। धैर्य के कारण ही विकलांग होते हुए भी अरुणिमा सिन्हा एवरेस्ट पर चढ़ गईं। उन्होंने कभी धैर्य नहीं खोया। इसी प्रकार धैर्य हमारे जीवन को सफल और महान बनाता है और समाज में हमारी प्रतिष्ठा बढ़ाता है।

हालांकि सभी को धैर्य धारण करने का प्रयास करना चाहिए। लेकिन युवावस्था में धैर्यशीलता की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। इसलिए करियर का सुनिश्चय करते वक्त धैर्यशीलता को जरूर अपनाएं। हमारे बुजुर्ग भी कहते हैं कि सब्र का फल मीठा होता है। धैर्यवान व्यक्ति ही किसी के मन में अपनी जगह आसानी से बना सकता है। धैर्य वह शक्ति है जो हारी लड़ाई को जीत में बदल सकता है। चाणक्य भी धैर्य के कारण चंद्रगुप्त और अशोक को महान सम्राट बनाने में सफल हो सके। धैर्य ही व्यक्ति को सफलता की बुलंदियों पर पहुंचाता है। इसलिए मनुष्य को धैर्य नहीं खोना चाहिए।

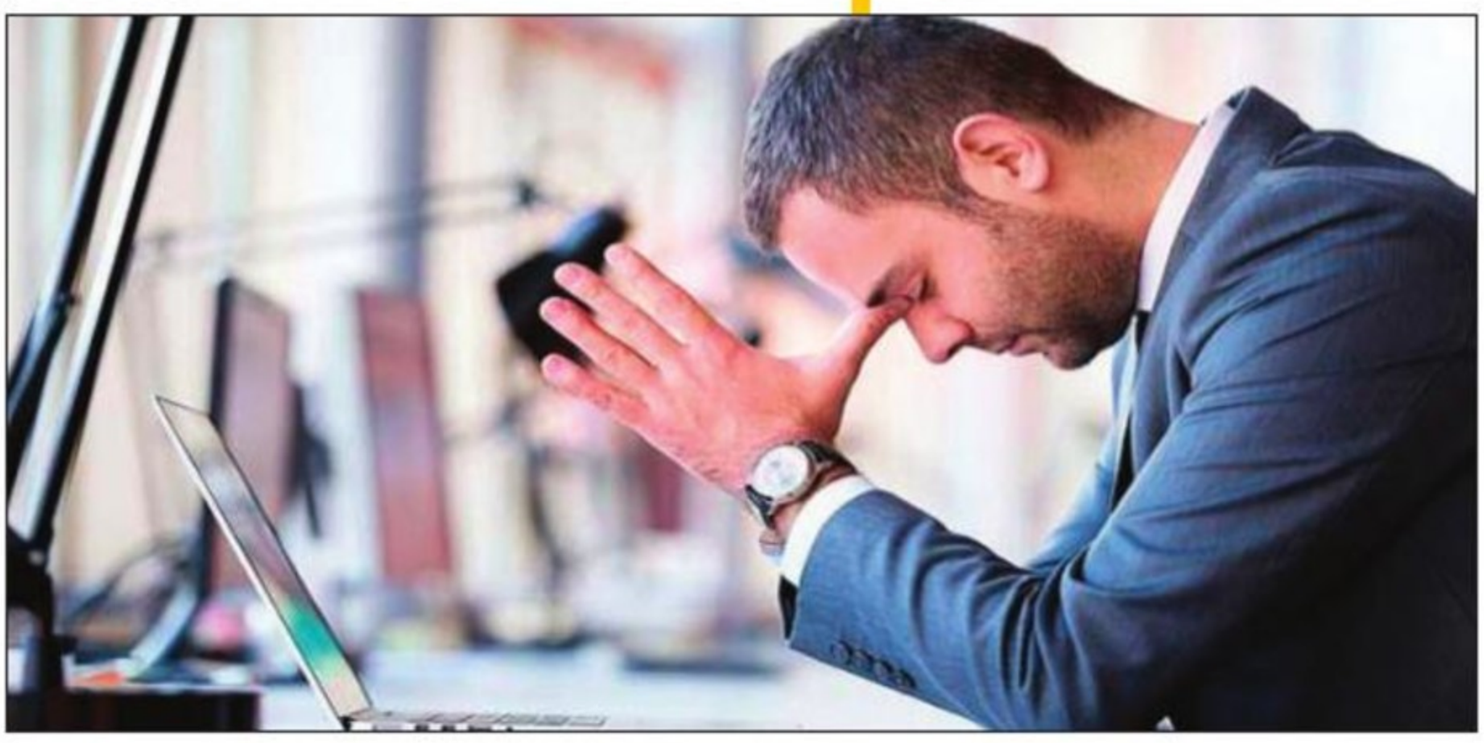

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

### क्लैट के नए पैटर्न के अनुसार यह परीक्षा ऑनलाइन मोड में होगी, जिसके लिए छात्रों को नए परीक्षा केंद्र जारी किए जाएंगे...

# क्लैट-2020: पैटर्न में हुआ बदलाव

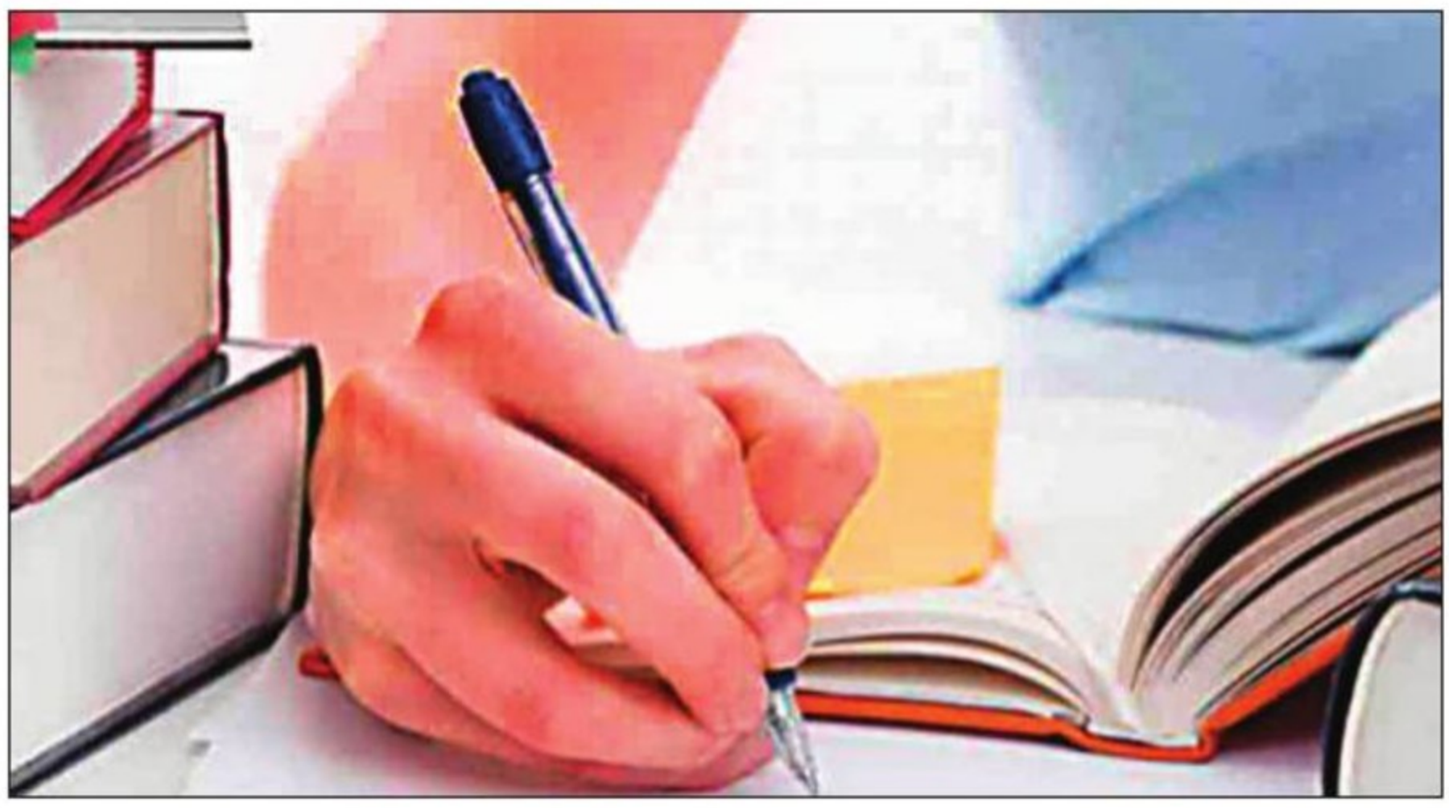

कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट 2020 (क्लैट) की परीक्षा 7 सितंबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित होने जा रही है। इसलिए एनएलयू के क्लैट कंसोर्टियम ने परीक्षा के पैटर्न में भी बदलाव किया है। क्लैट एक एप्टीट्यूड आधारित परीक्षा है, जहां इरादा लॉ से संबंधित ज्ञान को परखने का नहीं बल्कि लॉ के प्रति छात्रों की रुचि को परखने का होता है। अब छात्रों के रीडिंग और कंप्रेहेंडिंग कौशल को भी टेस्ट करने का प्लान है। क्लैट 5 सेक्शन-अंग्रेजी, करंट अफेयर्स, सामान्य ज्ञान, लीगल रीजनिंग, लॉजिकल रीजनिंग और क्वान्टिटेटिव तकनीक से मिलकर बनता है।

अमनदीप राजगोत्र,
हेड, क्लैट
प्रथम टेस्ट प्रेप

**सेक्शन के अनुसार रणनीति**

**सामान्य ज्ञान और करंट अफेयर्स:** इस साल परीक्षा में ऐसे सवाल पूछे जाएंगे जिनके लिए रीडिंग की आदत होना जरूरी है। साथ ही यह देखा जाएगा कि छात्रों को हालिया खबरों और मुद्दों के बारे में कितना ज्ञान है। इसमें कई सवाल आर्ट एंड कल्चर, इंटरनेशनल अफयर्स, करंट अफेयर्स आदि से पूछे जाएंगे। करंट अफेयर्स की तैयारी के लिए अखबार से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता है क्योंकि इस बार क्लैट में ज्यादातर सवाल अखबारों और एडिटोरियल आर्टिकल्स से संबंधित पूछे जाएंगे। नए पैटर्न से यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रश्नपत्र के अधिकांश भाग प्रकृति में व्याख्यात्मक होंगे। स्पीड को बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक मॉक टेस्ट का अभ्यास करें।

**लीगल एप्टीट्यूड:** यह सेक्शन सबसे जरूरी है। इसमें कुल 50 सवाल पूछे जाएंगे और हर सवाल एक अंक का होगा। यह 2 भागों में विभाजित होगा- लीगल नॉलेज और लीगल रीजनिंग।

1. उत्तर देने से पहले सवाल को अच्छे से समझें।
2. लीगल नॉलेज में सफलता के लिए छात्रों को कॉमन लीगल टर्मिनोलॉजी को अच्छे से समझना होगा।
3. लीगल से जुड़े हाल के मुद्दों का ज्ञान जरूरी है।

**एलिमेंटरी मैथमेटिक्स:** अधिकतर छात्रों को गणित से डर लगता है लेकिन रोजाना अभ्यास के साथ इसके बेसिक कॉन्सेप्ट को अच्छे से समझा जा सकता है। एक बार जब बेसिक कॉन्सेप्ट क्लियर हो जाते हैं, तो सवालों को हल करना मुश्किल नहीं रह जाता है। इसमें निम्निलिखित चीजें शामिल हैं:

1. रीडिंग पर आधारित सवाल छात्रों के लिए थोड़े मुश्किल होते हैं इसलिए हमारे शिक्षकों ने पहले ही उन्हें इनसे परिचित करना शुरू कर दिया है। गणित के सेक्शन में बेहतर प्रदर्शन के लिए न सिर्फ उन्हें तैयार किया जा रहा है बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ाने का काम किया जा रहा है। छात्रों के लिए क्वान्टिटेटिव एप्टीट्यूड संबंधित अधिक से अधिक सवालों का अभ्यास करने की आवश्यकता है।
2. इस सेक्शन में फेक्ट्स, ग्राफ या डायग्राम आदि के साथ डाटा इंटरप्रिटेशन शामिल होंगे। इसमें रेशियो प्रोपोर्शन, औसत, प्रतिशत, प्रॉफिट व लॉस और मिक्सर एलिगेशन आदि से संबंधित सवाल शामिल किए जाएंगे।
3. कॉन्सेप्ट्स को अच्छे से समझना जरूरी है इसलिए छात्रों को हर रोज़ कम से कम 20-25 सवाल हल करने की आवश्यकता है।

**लॉजिकल रीजनिंग:** यह सेक्शन समझने में सबसे मुश्किल होता है। इसमें कुल 30 सवाल पूछे जाते हैं जिसमें से 9-10 सवाल पैसेज आधारित होते हैं। इस सेक्शन में छात्रों को केवल क्रिटिकल रीजनिंग और मुश्किल पहेलियों से डरने की जरूरत है। क्रिटिकल रीज़निंग अपने आप में एक बड़ा विषय है। यह एक अच्छी समझ की मांग करता है। इसमें मान्यताओं, मजबूत और कमजोर करने वाली दलीलें, निष्कर्ष आदि जैसे सवाल पूछे जाएंगे।

**अंग्रेजी:** इसमें पूछे गए अधिकतर सवाल आपकी रीडिंग क्षमता को टेस्ट करते हैं। बहुत से छात्र कंप्रेहेंशन को पढ़ते ही नहीं हैं क्योंकि उनमें पढ़ने की क्षमता होती ही नहीं है। इसकी एक वजह यह है कि इसे पढ़ने में बहुत समय लगता है और यह पूरी तरह सटीक भी नहीं होता है। क्लैट कंसोर्टियम द्वारा दिए गए सैंपल पेपर के अनुसार इस सेक्शन में 29-30 सवाल होंगे। इसमें 6 पैसेज होंगे (4-5 मल्टिपल च्वॉइस सवालों के साथ), जो छात्रों की कंप्रेहेंशन क्षमता को टेस्ट करेंगे। अपनी रीडिंग स्पीड और ग्रामर पर ध्यान दें। अधिक से अधिक आरसी पैसेज का अभ्यास करें। आरसी पर अच्छी कमांड पाने के लिए अपनी शब्दावली पर भी काम करें। इसके लिए आप ऐसी किताबें चुने जिसमें पर्याप्त संख्या में आरसी मौजूद हों।

**प्रिय पाठकों...** उड़ान में प्रकाशित लेख व जानकारियां करियर एवं एजुकेशन एक्सपर्ट्स द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं। हम पूरी सावधानी से इन्हें प्रकाशित करते हैं। फिर भी, किसी जानकारी या लेख में आपको कोई त्रुटि लगे या उड़ान को बेहतर बनाने के लिए आपका कोई सुझाव/शिकायत हो, तो आप हमसे asktoudaan@amarujala.com पर संपर्क कर सकते हैं।

- धन्यवाद।

# सॉफ्ट स्किल्स मतलब

**उन्नति करने के लिए सॉफ्टस्किल्स आपको अनेक काम या ट्रेड में मदद कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, एडेप्टेबिलिटी या अनुकूल होने की क्षमता की कुशलता हर काम के लिए जरूरी मानी जाने लगी है...**

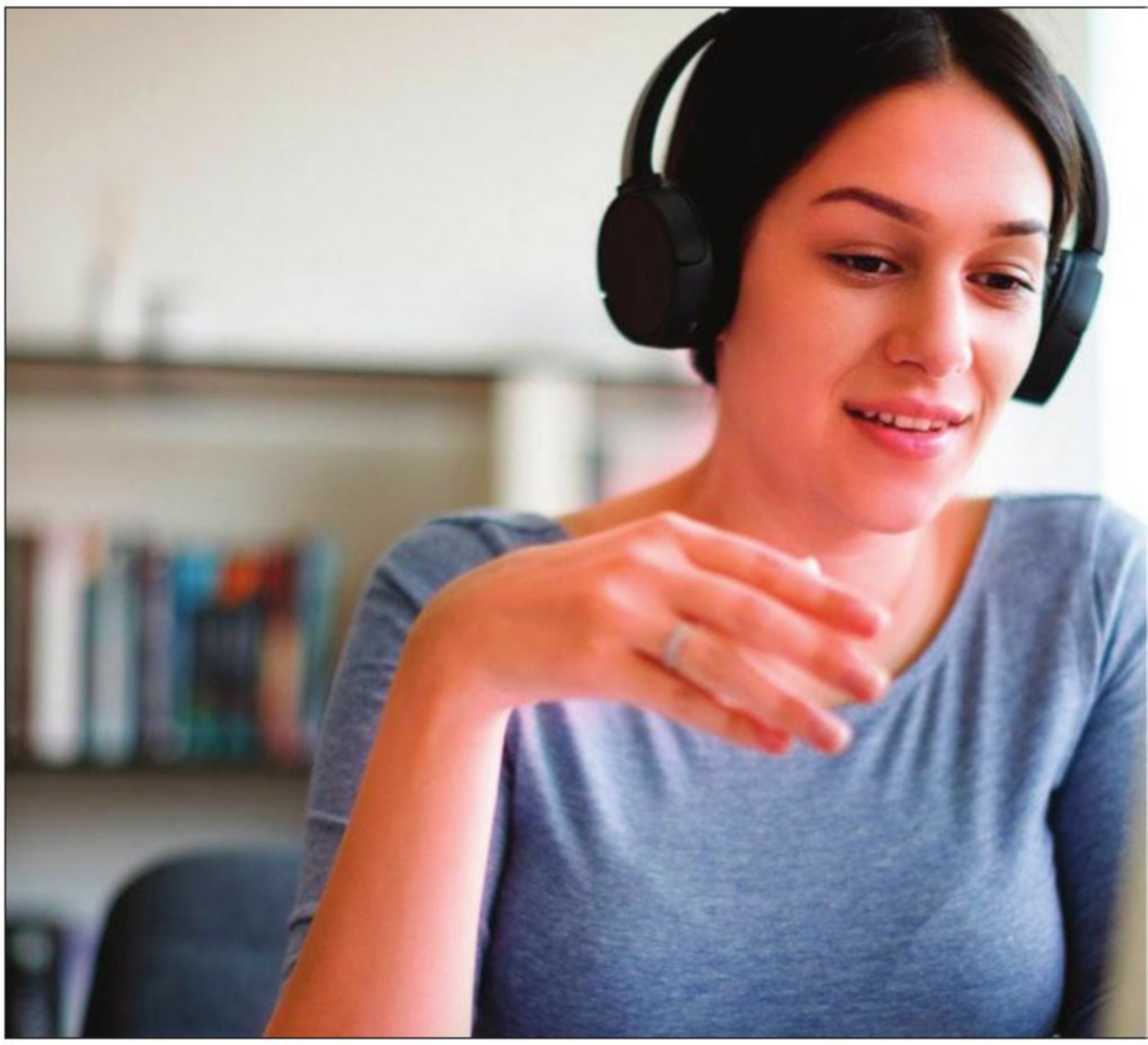

**डॉ. राजेश कुमार**
निदेशक (शैक्षिक व व्यावसायिक शिक्षा - पूर्व)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

मान लीजिए कि आपको अपने दफ्तर में अपने काम के लिए टाइपिस्ट की भर्ती करनी है। आपके सामने दो उम्मीदवार आते हैं, एक उम्मीदवार बहुत अच्छा टाइपिस्ट है, अपने काम में माहिर है। दूसरा उम्मीदवार भी अच्छा टाइपिस्ट है, लेकिन वह अपने काम में पहले वाले जितना माहिर नहीं है। पहला उम्मीदवार थोड़ा घमंडी, अक्खड़, अकेले चलने वाला, और तीखा बोलने वाला है; जबकि दूसरा बहुत विनम्र, मिलनसार, और मीठा बोलने वाला है। तो आप उन दोनों में से किस उम्मीदवार को काम पर रखेंगे? बहुत संभावना है कि आप दूसरे उम्मीदवार को काम पर रखेंगे, क्योंकि काम में थोड़ी कमी तो चल जाती है, लेकिन व्यक्ति की अक्खड़ता, दूसरों का अपमान करने की शैली उचित नहीं होतीं। इनसे दूसरे के अच्छे कामों पर भी बुरा असर पड़ता है। यही है, सॉफ्टस्किल्स का जादू। इनसे न केवल हमें काम हासिल करने में मदद मिलती है, बल्कि हम दूसरों के साथ सहयोग-पूर्वक रह सकते हैं, टीम में काम कर सकते हैं, और संतुष्टि देने वाला और खुश रखने वाला जीवन बिता सकते हैं। एंप्लॉयर को इससे कार्य का अच्छा माहौल बनाने, कम समय में ज्यादा उत्पादकता हासिल करने, गुणवत्तापूर्ण काम करने, व्यापार बढ़ाने के नए अवसर तलाशने, आदि में मदद मिलती है।

**सॉफ्टस्किल्स बनाम हार्ड स्किल्स**

हार्ड स्किल्स वे होती हैं, जो हमें दिखाई देती हैं। अगर हम डॉक्टर के काम को देखें, तो उसकी हार्ड स्किल्स होंगी- स्टेथेस्कोप जैसे विभिन्न उपकरणों का इस्तेमाल करना, लक्षणों के आधार पर रोग का डायग्नोज करना, सही दवाई प्रेस्क्राइबर करना, वगैरह-वगैरह। इसकी तुलना में सॉफ्ट स्किल्स में दिखाई नहीं देतीं। अगर डॉक्टर के उदाहरण को ही आगे बढ़ाएं, तो डॉक्टर द्वारा रोगी का प्यार से स्वागत करना, उसके साथ सहानुभूति रखना, उसे सांत्वना देना, उसे रोग के बारे में इस तरह से समझाना कि उसे समझ में आ सके, उसके सभी सवालों का बिना चिढ़े मुस्कान और सम्मान के साथ जवाब देना - ये सब सॉफ्ट स्किल्स कहलाएंगी। ये दिखाई नहीं देतीं, लेकिन छिपकर बड़ा काम करती हैं, और हार्ड स्किल्स के मुकाबले में ज्यादा प्रभावशाली काम करती हैं। यहां भी आप देख सकते हैं कि मगरूर, और अशिष्ट डॉक्टर की तुलना में लोग ऐसे डॉक्टर के पास जाना ज्यादा पसंद करते हैं, जो प्यार से बात करता है, और हमारे साथ सद्भावना के साथ व्यवहार करता है, फिर चाहे उसकी डॉक्टरी की कुशलता थोड़ी कम ही क्यों न हो। सॉफ्ट स्किल्स को इंटरपर्सनल स्किल्स, नॉन-कॉग्निटिव स्किल्स या व्यवहार कौशल आदि भी कहा जाता है।

**क्या हैं सॉफ्टस्किल्स**

सॉफ्टस्किल्स को अनेक तरह से विभाजित और प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन मुख्य रूप से 5सॉफ्टस्किल्समानी जाती हैं - कम्युनिकेशन (संप्रेषण), प्रॉब्लम सॉल्विंग क्रिएटिविटी

# करियर सुनिश्चित

(रचनात्मकता), एडेप्टेबिलिटी ( अनुकूल होना), वर्क एथिक्स (कार्य की नैतिकता)।

**कम्युनिकेशन या संप्रेषण**

अपनी बात को अच्छी तरह से कह पाना कम्युनिकेशन स्किल होती है, जिसका फायदा हमें जदिगी के हर क्षेत्र में मिलता है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स के लिए जरूरी होता है कि हम उस बात को खुद अच्छी तरह समझें जो हम कहना चाहते हैं, और फिर उसके लिए उन शब्दों, अभिव्यक्तियों और मुद्राओं को चुनें जो हमारी बात को अच्छी तरह से पेश कर सकती हैं। आपको विभिन्न तरीकों से बात करना आना चाहिए। बात करते समय आपको यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि सुनने वाला आपकी बात समझ रहा है या नहीं। उसकी मुद्राओं, भाव और शब्दों पर ध्यानदेकर,जरूरत होने पर आपको अपने कहने क ढंग को बदलना चाहिए और देखना चाहिए कि क्या आपको अपनी बात ज्यादा विस्तार से कहने की जरूरत है या उसे संक्षेप में कहना चाहिए। जो लोग संक्षेप में कही जाने वाली बात को समझ सकते हैं, उन्हें विस्तार से बताए जाने पर झल्लाहट होती है, और जिन लोगों को बात को विस्तार से बताया जाना चाहिए उन्हें कम जानकारी मिलने से परेशानी होती है। अपनी बात को कहने के साथ-साथ हमें इस बात की समझ भी होनी चाहिए कि कब चुप हो जाना है, और कब चुप रहना है।

**प्रॉब्लम सॉल्विंग या समस्या समाधान**

एंप्लॉयर ऐसे लोगों को बहुत महत्व देते हैं, जो समस्याओं को जल्दी से और प्रभावी ढंग से सुलझा सकते हैं। समस्या समाधान के लिए हमें अपने ज्ञान का उपयुक्त रूप से उपयोग करना, या समस्या के बारे में जानकारी हासिल करना और फिर उसका समाधान ढूंढ़ना, और जानकार लोगों से या सहयोगियों से उस समस्या पर बात करना और उनके सहयोग से उपयुक्त समाधान ढूंढ़ना शामिल होता है। कोई समस्या आने पर काम रोक देना, समस्या का समाधान करना मेरी जिम्मेदारी नहीं है - जैसी धारणा रखना, समस्या का समाधान सुझाने वालों के प्रति बेरुखी दिखाना। इस कौशल के विपरीत कारण क्रियाएं होती हैं। समस्या समाधान में रचनात्मकता, रिसर्च, रिस्क मैनेजमेंट, और टीमवर्क जैसे कौशल से शामिल होते हैं।

**रचनात्मकता कौशल**

रचनात्मकता ऐसा कौशल है, जिसमें दूसरे कई कौशल शामिल हो जाते हैं। यहां तक कि रचनात्मकता टेक्निकल या हार्ड स्किल्स में भी शामिल होती है। आपकी रचनात्मकता अपने काम में तब दिखाई देती है, जब आप काम करने के नए तरीके ढूंढ़ते हैं, विभिन्न प्रक्रियाओं में सुधार करते हैं। रचनात्मकता से संबंधित अन्य कौशल है - जिज्ञासा, दूसरों से सीखना, दिमाग़ खुला रखना, नया सोचना, सौंदर्य-बोध और सोचा-समझा जोखिम उठाना।

**एडेप्टेबिलिटी या अनुकूल होना**

एडेप्टेबिलिटी ऐसा गुण है, जो दिखाता है कि आप बदलाव के प्रति कितना जल्दी अनुकूल हो पाते हैं या नहीं हो पाते। आज हम देखते हैं कि टेक्नोलॉजी रोज-रोज बदलती है, और नई-नईसंकल्पनाएं सामने आती रहती हैं, ऐसे में एडेप्टेबिलिटी स्किल्स बहुत महत्वपूर्ण हो जाती हैं। आम तौर से मनुष्य बदलाव के प्रति अनुकूल नहीं होता, वह उसका विरोध करता है। जो लोग नई स्थितियों और काम करने के नए तरीकों के प्रति जल्दी से अनुकूल हो जाते हैं, उन्हें जीवन और काम में सफलता मिलती है। एडेप्टेबिलिटी से जुड़े दूसरे कौशल हैं - निरंतरता या संगत होना, व्यवस्थित होना, आशावादी होना, लचीला होना।

**वर्क एथिक्स या कार्य की नैतिकता**

कार्य की नैतिकता का मतलब है कि आप अपने काम और कर्तव्यों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से कर पाते हैं या नहीं। अगर आप में काम करने की मजबूत नैतिकता है, तो आप अपने सहकर्मियों और अन्य लोगों के साथ सकारात्मक संबंध बनाने में सफल रहते हैं, चाहे आपके तकनीकी कौशल कम भी हों। कार्य की नैतिकता से संबंधित अन्य कौशल हैं - विवरण पर ध्यान देना, काम और कंपनी आदि के प्रति निष्ठावान होना, लगनशीलता, और समय का प्रबंध करना।

**सॉफ्ट स्किल्स कैसे हासिल करें**

हार्ड स्किल्स कक्षा में या वर्कशॉप आदि में सीखी जाती हैं, लेकिन सॉफ्ट स्किल्स भावनाओं या अंतर्दृष्टि की तरह होती हैं, जो आम कक्षाओं और वर्कशॉप आदि में नहीं सीखी जा सकतीं। इन्हें सीखना बहुत मुश्किल भी होता है, और ये हमारे भीतर लंबे समय में विकसित होती हैं। हालांकि अब कई कोर्स में हार्ड स्किल्स के साथ-साथ सॉफ्टस्किल्स पर भी ध्यान दिया जाने लगा है।

**अपनी सॉफ्टस्किल्स हाइलाइट करें**

आम तौर से एंप्लॉयर आपसे सीधे-सीधे आपकी सॉफ्टस्किल्स के बारे में सवाल नहीं करते, लेकिन वे साक्षात्कार में भी और उसके बाद इस तरह की गतिविधि या टास्क देते हैं, जिन से वे समझ लेते हैं कि आपमें जरूरी सॉफ्ट स्किल्स है या नहीं। उदाहरण के लिए वे साक्षात्कार के समय समूह चर्चा कर सकते हैं, जिनसे आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स उजागर हो सकती हैं। किसी भी काम के लिए चाहे वह नौकरी हो या दूसरे काम, आपको आवेदन करते समय अपनी सॉफ्टस्किल्स को हाइलाइट करना चाहिए और उसके सबूत देने चाहिए, ताकि आपके नियुक्ति करने वाले व्यक्ति को आपकी खूबियों के बारे में सही जानकारी मिल सके और वह आपके पक्ष में फैसला ले सके।

सॉफ्ट स्किल्स हाइलाइट करने के लिए आप इस तरह से लिख सकते हैंः अतिरिक्त कौशलः मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स, समानुभूति, काम के लिए जुनूनी और स्व-प्रेरित।

अपने कवरिंग लेटर में आप लिख सकते हैं कि किस तरह आपने वर्तमान पद पर रहते हुए अपने जुनून और रचनात्मकता दोनों को प्रदर्शित किया, जिसे आपके प्रबंधकों और सहकर्मियों ने बहुत सराहा है। उदाहरण के लिए, आपने अपनी कंपनी के उत्पाद के लिए खास स्थान के युवा लोगों को लक्षित करते हुए मार्केटिंग अभियान तैयार किया और उसके लिए टीम बनाकर उसे सफल बनाया। इसके साथ ही आप अपनीसॉफ्ट स्किल्स को इंटरव्यू के दौरान भी उजागर कर सकते हैं।

**80 प्रतिशत से ज्यादा लोगों की जरुरत बन चुका टेलीविजन यानी टीवी अब रोजगार के नए-नए अवसरों का जरिया भी हो गया है...**

## टीवी रिपेयरिंग

# कम पूंजी में बड़ी कमाई

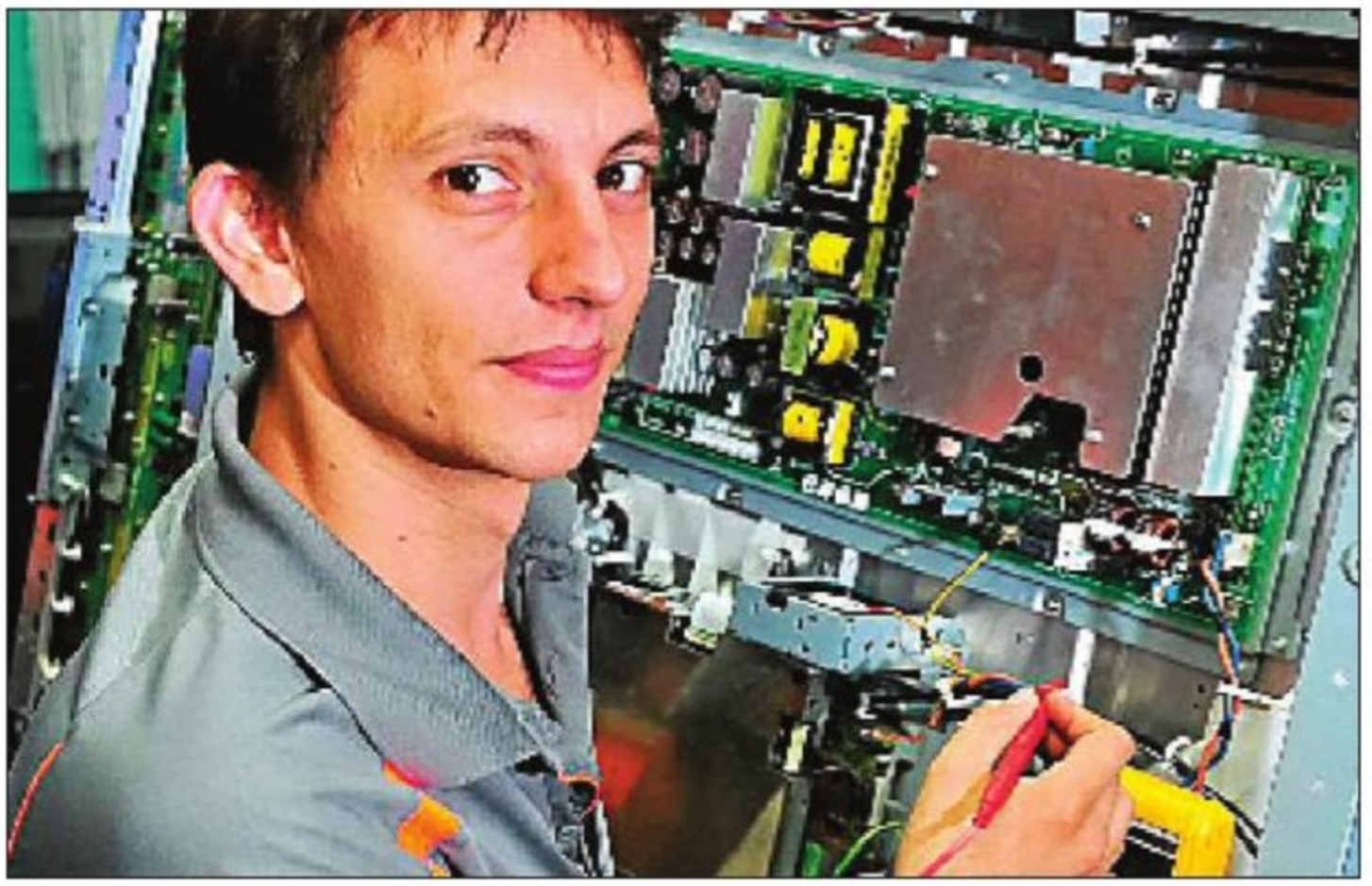

टेलीविजन आने के शुरुआती दौर में ही यह तकनीकी मशीन काफी लोकप्रिय हो गई। भले ही टेलीविज़न कम थे मगर उसे देखने वालों का रूझान उतना ही ज्यादा था। शुरुआती दौर में टेलीविज़न एक केबल के माध्यम से चलाया जाता था। उस समय टीवी मैकनिक भी कम ही हुआ करते थे लेकिन आज जैसे जैसे समाज बदल रहा है हर चीज डिजिटल हो रही है, टेलीविज़न बाज़ार भी बढ़ोतरी कर रहा है। टीवी भी डिजिटल आने लगे है। पहले एक बॉक्स में टेलीविज़न आता था फिर बड़े आकार में एलसीडी आने लगा। इसमें दिखाए जाने वाले चित्र भी बहुत साफ होते थे और इसके साथ-साथ फीचर्स भी बढ़ गए। धीरे-धीरे एलईडी टीवी, प्लाज्मा टीवी, डिजिटल टीवी, एचडी टीवी स्मार्ट टीवी, आएलईडी टीवी जैसे अलग-अलग तरह के टेलीविज़न आने लगे और इनमें अलग अलग तरह के फीचर्स देखने को मिले।

पहले के समय में जब टेलीविजन के अंदर या उसकी स्क्रिन पर किसी भी तरह की कोई खरीबी बाती थी, तो टेलीविजन को बदल दिया जाता था, लेकिन अब एलसीडी, एलईडी में कोई खराबी आने पर पैनल बाडिग मशीन की मदद से उसे रिपेयर कर दिया जाता है। इसी कारण टेलीविजन बाजार में उपभोक्ता बढने लगे। लोग अपनी पसंद के टेलीविजन खरीदने लगे, जिससे टीवी को ठीक करने के लिए मैकेनिक की भी आवश्यकता पढ़ने लगी। इसके बाद से टेलीविजन बाजार दिन पर दिन विकास कर रहा है भारत दुनियां के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स बाजारों में से एक है। आने वाले समय में उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार 15 प्रतिशत सीएजीआर से बढने की उम्मीद है। वित वर्ष 2018 में 1627 बिलियन रुपये था और 2020 में 22,00 बिलियन रुपये तक बढ़ने का अनुमान है। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में सभी इलेक्ट्रॉनिक्स कंस्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट 2017 में 1432 बिलियन रुपये था, जिसका 60 प्रतिशत हिस्सा टेलीविजन ने कवर किया हुआ है। आने वाले वर्शो में कंस्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट में टेलीविजन वृद्धि का अनुमान लगाया जा रहा है।

इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल के एक अध्ययन के मुताबिक कंस्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट में बढ़ती वृद्धि को देखते हुए वर्तमान में टेलीविजन उद्योग में लगभग 1,60,001 नौकरियां है। दिल्ली और बड़े महानगरों में ही नहीं, अब देश के हर शहर और कस्बे में टीवी मैकेनिक की जरुरत है। साथ ही टीवी रिपेयरिंग के इंस्टीट्यूट भी देश में काफी संख्या में मौजूद हैं, जहां से कोर्स करके आप आसानी से इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। 1994 से टीवी रिपेयरिंग का प्रशिक्षण दे रहे ईएसएससीआई ट्रेनिंग सेक्टर के सीईओ एन.के. मोहापात्रा कहते हैं कि टीवी से संबंधित यूं तो बहुत से काम हैं, जिनमें आप करियर बना सकते हैं, लेकिन टीवी रिपेयरिंग एक ऐसा काम है, जो कम से कम खर्चे पर स्वरोगजार स्थापित करने में मदद तो करती ही है, साथ ही अच्छी कमाई का भी जरिया बन जाता है।

**कोर्स**

टीवी मैकेनिक या इंजीनियर बनने के लिए आपको सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान से कोर्स करना पड़ेगा, इसके लिए आप सरकारी या प्राइवेट संस्थान का चुनाव कर सकते हैं। वैसे तो टीवी रिपेयरिंग में अभी तक कोई डिग्री कोर्स नहीं है, लेकिन आप किसी भी संस्थान से डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स आसानी से कर सकते हैं। सरकारी संस्थानों में अभी टीवी रिपेयरिंग के प्रशिक्षण की कमी है। अधिकतर संस्थानो में सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि एक से तीन या छः महीने और डिप्लोमा कोर्स की अवधि एक वर्ष है।

**प्रवेश और योग्यता**

टीवी रिपेयरिंग का कोर्स करने के लिए 8वीं या 10वीं पास इच्छूक अभ्यर्थी कोर्स कर सकते हैं। इसके अलावा आपको हिन्दी पढ़नी व लिखनी आनी चाहिए। अंग्रेजी का ज्ञान है तो बेहतर होगा। कुछ संस्थानों में 12वीं पास अभ्यर्थियों को ही प्रवेश दिया जाता है।

**फीस**

अलग-अलग संस्थानों में फीस अलग अलग है, लेकिन एक एवरेज फीस दस से पंद्रह हजार है, जिसमें कुछ संस्थान टूलकिट भी उपलब्ध कराते हैं। सरकारी संस्थानों में फीस कम है। स्वरोजगार समिति में एक हजार रुपये फीस है। यह सरकारी संस्थान है, जो एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स कराता है। इसके लिए आपको कम से कम दो साल का दिल्ली का रेजिडेंस प्रूफ देना पड़ेगा।

**– नरेन्द्र कुमार मोहापात्रा**
**(सीईओ, इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल)**

**शिक्षक दिवस निकट है, ऐसे में देश की शिक्षा और शिक्षकों की स्थिति पर विचार करना लाजमी हो जाता है...**

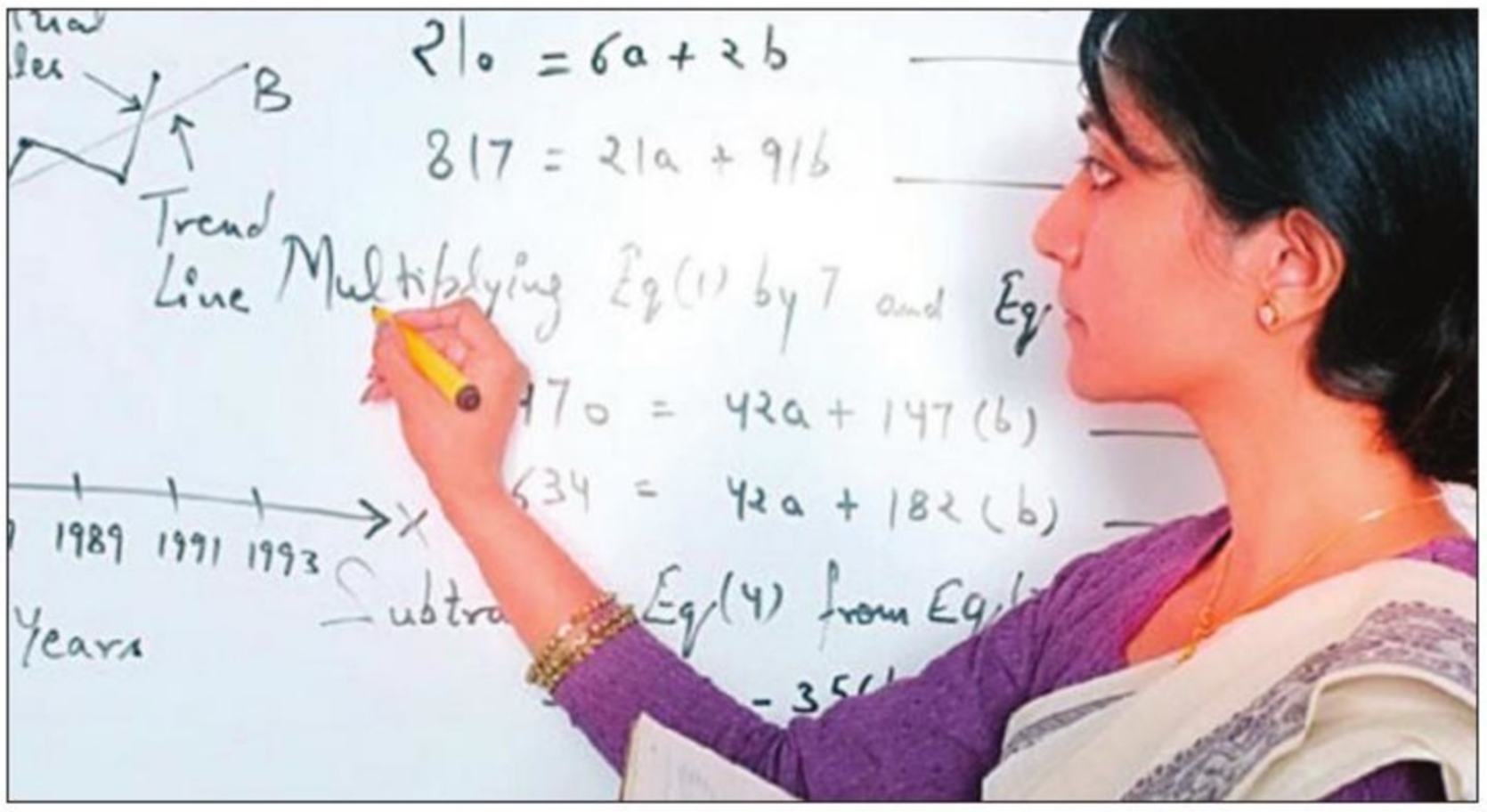


# शिक्षा, शिक्षक और चिन्तन

शिक्षकों का एक गौरवमयी इतिहास रहा है। चाहे शिक्षार्थी राम, कृष्ण रहे हों, चन्द्रगुप्त मौर्य रहे हों या धौम्य ऋषि के शिष्य आरुणि सब गुरु के समक्ष नतमस्तक रहे। शिष्य की प्रगति के रास्ते में आने वाली रुकावटों को हरने वाले चाणक्य जैसे शिक्षकों से सब परिचित हैं वहीं आरुणि जैसे छात्र जिसने पूरी रात खेत के पानी को रोकने के लिए खुद लेटकर तो अपनी अंगूठा काटकर द्रोणाचार्य को देकर एकलव्य ने शिक्षकों का मान भी बढाया। शायद ऐसे ही गुरु के सम्मान में कबीरदास ने ये पंक्तियां लिखी होंगी

*सतगुरु सम कोई नहीं सात दीप नौ खण्ड।*
*तीन लोक न पाइये, अरु इक्कीस ब्रह्मण्ड।।*

समय और कालखंड बदला और गुरु का सम्मान भी गिरता गया। समय बदला तो परिस्थिति भी बदली और गुरु के मन में भी लालच घर कर गया जो स्वाभाविक था। अपने बेटे के लिए गाय नहीं देने पर द्रोणाचार्य का द्रुपद को बंदी बनाने के लिए अपने शिष्यों को भेजना शिक्षक की महत्वाकांक्षी होने का परिचायक है। शिक्षा के गिरने के इसी स्तर को कबीर ने कुछ ऐसे व्यक्त किया है -

*गुरुवा तो सस्ता भया, कौड़ी अर्थ पचास।*
*अपने तन की सुधि नहीं, शिष्य करन की आस।।*

पर ऐसे शिक्षक आज भी हजारों में हैं, जो निःस्वार्थ भाव से शिष्य हित में काम करते हैं और ऐसे शिष्य भी हैं जिन्होंने अपने गुरु और अपने गुरुकुल के लिए काफी काम किया है। चाहे रामानुजन के गुरु हार्डी रहे हो जिन्होंने रामानुजन को ही अपनी सबसे बड़ी खोज बता दी। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने IIT खड़गपुर को बहुत दान दिया। हजारों उदाहरण आपको मिल जायेंगे जो शिक्षक और छात्रों के संबंधों की प्रगाढ़ता को दिखाता है परंतु आज जब प्राइवेट स्कूलों की भरमार हो गयी है जिसमें शिक्षकों को कम वेतन देकर खरीदने का काम किया जाता है और कोल्हू के बैल जैसा उन्हें पिरोया जाता है तो शिक्षा का हाल क्या होगा यह एक प्रश्नचिन्ह है?

आज पढ़ाना क्या है यह शिक्षक नहीं कोई और तय करता है। आज स्कूल का मतलब टूटी- फूटी चारदीवारी नहीं बल्कि एक आलीशान इमारत जिसमें शाही ठाठ से छात्र ऊंची कीमत देकर पढ़ते हैं और ऐसे में शिक्षकों के सम्मान की बात तो बेकार है। जब आपको बाजार से कोई चीज कीमत देकर खरीदनी हो तो ग्राहक यह तय करेगा की कौन सा सामान बढ़िया है। आज शिक्षक भी ट्यूशन के व्यवसाय में इस कदर संलिप्त हैं कि उनका उद्देश्य ट्यूशन में अधिक और स्कूल में कम पढाना रह गया है। शिक्षा का यह पतन भयावह है क्योंकि सरकारें शिक्षा के प्रति उदासीन हैं, शिक्षक आज मल्टीटास्किंग वर्कर बन गया है जिसे पढ़ाना है, इलेक्शन कराना है, खाना बाटना है , किताबे और ड्रेस बांटने हैं, जनगणना, पशु गणना करना है और महामारी में वारियर बनना है तो शराब के दुकान पर लोगों को सरकारी आदेश पर लाइन में लगाना है । इसके बाद भी जब सम्मान की बात आए तो चाटुकारिता भी करनी है क्योंकि शिक्षक दिवस पर जब सम्मान मिले तो मिडिया में अपने शिक्षक होने का दायित्व से लोगों को परिचय कराना है।

अब सरकारें भी स्कूलों में ठेके पर नौकरी देकर अपने राजस्व की रक्षा कर रही हैं, प्राइवेट स्कूल अलग से दोहन कर रही है ऐसे में शिक्षा का भविष्य कितना भयावह होगा ये कल्पना करने का विषय हैं। आज ये आवश्यक है की लोग शिक्षा के असली मूल्यों को समझे जो भीतर के ज्ञान को प्रकाशित करे, सामाजिक और पारिवारिक दायित्वों की और ध्यान दे सके और किसी मछली या हाथी को पेड़ पर चढ़ाकर उसकी योग्यता को ना नापे। एक सामाजिक जिम्मेदारी है जो गुरु को एक सम्मान की दृष्टी से देखे। यह दायित्व एक स्कूल के प्रबंधक की भी है, सरकार की भी है और एक आम नागरिक की भी जो शिक्षक को एक व्यवसायी बनकर ना देखें और साथ में शिक्षक की यह जिम्मेदारी है कि वे ऐसे समाज का निर्माण करने की कोशिश करे जिसमे मानव मूल्य की अहमियत हो तभी हम स्वस्थ समाज का निर्माण कर पाएंगे जो चारित्रिक दृष्टिकोण से हमे सुदृढ़ करेगा । मैं अपनी बात अब्राहम लिंकन द्वारा अपने बेटे के स्कूल के प्रिंसिपल को लिखे पत्र से समाप्त करना चाहूंगा –

मैं चाहता हूं कि आप उसे सिखाएं कि हर दुश्मन के अंदर एक दोस्त बनने की संभावना भी होती है। ये बातें सीखने में उसे समय लगेगा, मैं जानता हूं। पर आप उसे सिखाइए कि मेहनत से कमाया गया एक रुपया, सड़क पर मिलने वाले 5 रुपये से ज्यादा कीमती होता है। आप उसे बताइए कि दूसरों से जलन की भावना अपने मन में न लाए। साथ ही यह भी कि खुलकर हंसते हुए भी शालीनता बरतना कितना जरूरी है। मुझे उम्मीद है कि आप उसे बता पाएंगे कि दूसरों को धमकाना और डराना कोई अच्छी बात नहीं है। इससे उसे दूर रहना चाहिए

**–डॉ. राजेश कुमार ठाकुर**

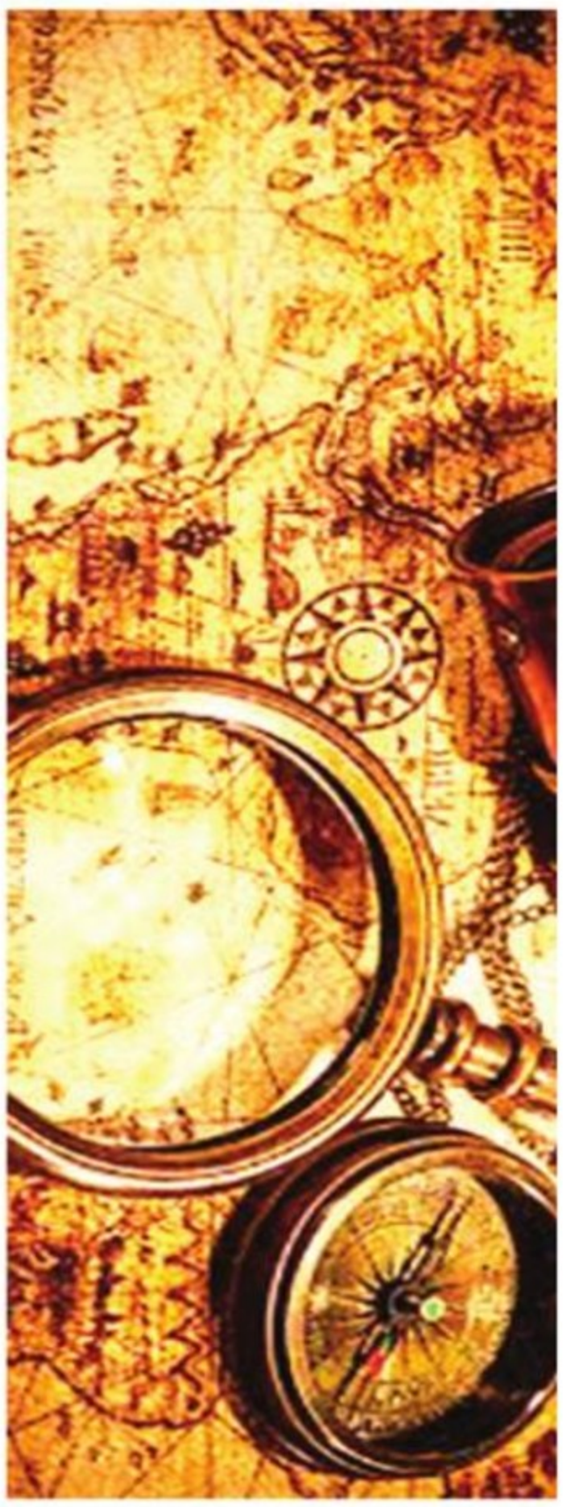

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

**भारत के महान्यायवादी के विषय में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है ?**

(a) महान्यायवादी को संसद के दोनों सदनों में बोलने का अधिकार होगा।

(b) महान्यायवादी को अपने कार्यालयीन कर्तव्यों के पालन में भारत के राज्यक्षेत्र सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार होगा।

(c) उस में वही अर्हताएं होनी चाहिए जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बनने के लिए आवश्यक होती हैं।

(d) वह सरकार के लिए एक पूर्णकालिक परामर्शदाता (काउंसल) है।

**जवाब:** (d) वह सरकार के लिए एक पूर्णकालिक परामर्शदाता (काउंसल) है।

**व्याख्या:** भारत का महान्यायवादी संघीय कार्यपालिका का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। महान्यायवादी भारत सरकार को विधि संबंधी विषयों पर सलाह देने का कार्य करता है। संविधान के अनुच्छेद-76(1) के अनुसार राष्ट्रपति, उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश होने के योग्य किसी व्यक्ति को भारत का महान्यायवादी नियुक्त करता है। वह भारत सरकार का मुख्य कानूनी सलाहकार तथा उच्चतम न्यायालय में भारत सरकार का प्रमुख वकील होता है। महान्यायवादी को अपने कर्त्तव्यों के पालन में भारत के राज्य क्षेत्र में सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार होता है। महान्यायवादी को संसद की सभी प्रक्रियाओं में बोलने और भागीदारी करने का अधिकार है, लेकिन वह किसी भी संसदीय प्रक्रिया में वोट नहीं करता है। संविधान में महान्यायवादी की पद-सीमा एवं हटाने की प्रक्रिया उल्लेखित नहीं है। अतः वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है और इस तरह कथन (d) सही नहीं है।

**विधानमंडल में पूछे गए अल्प-सूचना प्रश्नों के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

1. ये अत्यावश्यक सार्वजनिक महत्व के मामलों से सम्बंधित होते हैं और दस दिनों से कम के नोटिस पर मौखिक उत्तर के लिए पूछे जा सकते हैं
2. अल्प सूचना प्रश्न स्वीकार्य किए जा सकते हैं यदि सम्बन्धित मंत्री उनका उत्तर देने के लिए सहमत हो।
3. अल्प सूचना प्रश्न प्रश्न काल के दौरान पूछे जाते हैं।

उपर्युक्त में से कौन से कथन सही हैं

(a) 1, 2 और 3

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) केवल 1 और 3

**जवाब:** (b) केवल 1 और 2

**व्याख्या:** अल्प सूचना प्रश्न की ग्राह्यता दो मानदंडों पर निर्णीत की जाती है:- इसकी विषय-वस्तु अविलंबनीय सार्वजनिक महत्व वाली होनी चाहिए तथा संबंधित मंत्री को इसका उत्तर देने के लिए सहमत होना चाहिए। अल्प सूचना प्रश्न का उत्तर देने हेतु संबंधित मंत्री के सहमत होने के बाद भी यदि अध्यक्ष का यह मत है कि प्रश्न अविलंबनीय प्रकृति का नहीं है, तो उस प्रश्न को"अल्प सूचना प्रश्न"के रूप में नहीं लिया जाएगा। यदि मंत्री सहमत होता है तो उसकी तथा सदस्य की सुविधा से कोई तिथि उत्तर हेतु निर्धारित की जाती है। प्रश्न काल के पश्चात अथवा यदि प्रश्न काल नहीं है तो जैसे ही लोक सभा की बैठक आरंभ होती है कार्य सूची के औपचारिक कार्य यदि कोई है, के पूरा होने के पश्चात् अध्यक्ष महोदय सदस्य से अल्प सूचना प्रश्न पूछने और मंत्री को उसका उत्तर देने के लिए कहते हैं। इस तरह से तीसरा कथन सत्य नहीं है। सदस्य जिसके नाम से अल्प सूचना प्रश्न है (प्रथम नाम) केवल दो पूरक प्रश्न पूछ सकते हैं और यदि सभापति अनुमति दे तो अन्य सदस्य एक-एक पूरक प्रश्न पूछ सकते हैं।

**पादप कोशिकाओं में, स्फीति और कठोरता किसके द्वारा प्रदान की जाती है?**

(a) राइबोसोम

(b) माइट्रोकान्ड्रिया

(c) गॉल्जीकाय

(d) कोशिका रस से भरी धानी

**उत्तर:** (d) कोशिका रस से भरी रसधानी

**व्याख्या:** यह तरल पदार्थ से भरी कोशिका की निर्जीव रचना है जो पादप कोशिकाओं में प्रायः बड़ी और केंद्र में स्थित होती हैं और जंतु कोशिकाओं में छोटी और अस्थायी होती हैं। यह भित्ति (टोनोप्लास्ट) से घिरी होती हैं किंतु इनका कोई निश्चित आकार नहीं होता है। यह पादप कोशिकाओं को दृढ़ता (Rigidity) प्रदान करती है और चयापचय (Metabolic) से

उत्पन्न विषैले उप-उत्पादों (By-Products) का संचय (Store) करती है साथ ही इसमें भोजन का भी संग्रह भी होता है।

**पराग उत्पन्न होता है**

(a) दलपुंज में (b) वर्तिका में
(c) वर्तिकाग्र में (d) परागकोश में

**जवाब:** (d) परागकोश में

**व्याख्या:** दलपुंज पुष्प की बाह्य पंखुड़ियां होती हैं और वर्तिका तथा वर्तिकाग्र पुष्प के स्त्रीकेसर के भाग हैं। परागकोश पुंकेसर का वह भाग है जहां पराग-कण पैदा होते हैं।परागकोश में दो हिस्सों में बंटे चार कोष्ठ होते हैं जिन्हें लघुबीजाणुधानी कहते हैं, यहीं पराग का निर्माण होता है।

**निम्नलिखित में से किसे वुड स्प्रिट के रूप में जाना जाता है**

(a) मेथेनॉल (b) एथेनॉल
(c) फ़ॉर्मेल्डिहाइड (d) एसेटेल्डिहाड

**जवाब:** (a) मेथेनॉल

**व्याख्या:** चूंकि पहले इसका निर्माण काष्ठ/लकड़ी के भंजक आसवन से किया जाता था, इसे काष्ठ अल्कोहल कहा जाता था। मेथेनॉल सबसे सरल अल्कोहल है। यह हल्का, वाष्पशील, रंगहीन, ज्वलनशील, द्रव है जिसकी गन्ध एथेनॉल (पेय अल्कोहल) जैसी होती है। किन्तु मेथेनॉल अत्यन्त विषैला है और पीने के लिये बिल्कुल अनुपयुक्त है। सामान्य ताप पर यह द्रव अवस्था में होता है। इसका उपयोग एन्टीफ्रीज, विलायक, ईंधन, आदि के रूप में होता है। यह एथेनॉल के विकृतिकारक (denaturant) के रूप में भी प्रयुक्त होता है। यह जैव ईंधन के उत्पादन में बेहद उपयोगी होता है और प्रदूषण में कमी के लिए भी महत्वपूर्ण है।

**निम्नलिखित में से कौन सा एक देश न्यू डेवलपमेंट बैंक का संस्थापक सदस्य नहीं है?**

(a) ब्राज़ील (b) कनाडा
(c) रूस (d) भारत

**जवाब:** (b) कनाडा

**व्याख्या:** वर्ष 2012 में नई दिल्ली में आयोजित चौथे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ विकासशील देशों में बुनियादी ढांचा एवं सतत् विकास परियोजनाओं के लिये न्यू डेवलपमेंट बैंक की स्थापना पर विचार किया गया। ब्रिक्स देशों में शामिल हैं, भारत, ब्राज़ील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका। वर्ष 2014 में ब्राज़ील के फोर्टालेजा में छठे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिक्स नेताओं ने न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) की स्थापना के लिये एक समझौते पर हस्ताक्षर किये। NDB सभी सदस्य देशों के समान अधिकारों के साथ ब्रिक्स सदस्यों के बीच एक परामर्श तंत्र पर काम करता है।NDB का मुख्यालय शंघाई (चीन) में है।

**निम्नलिखित में से कौन सा विभाग गृह मंत्रालय के अधीन नहीं है?**

(a) राजभाषा विभाग
(b) सीमा प्रबंधन विभाग
(c) जम्मू- कश्मीर विभाग
(d) विधि कार्य विभाग

**जवाब:** (d) विधि कार्य विभाग

**व्याख्या:** यह विभाग विधि एवं न्याय मंत्रालय के अधीन आता है, भारत सरकार (कार्य आबंटन) नियम, 1961 के अनुसार इस विभाग का कार्य विधि सम्बंधी मामलों में मंत्रालयों/विभागों को सलाह देना, जिसके अंतर्गत संविधान और विधियों का निर्वचन, हस्तांतरण-लेखन और उच्च न्यायालयों तथा अधीनस्थ न्यायालयों में उन मामलों में, जिनमें भारत संघ एक पक्षकार है, भारत संघ की ओर से पैरवी करने के लिए काउंसल नियोजित करना इत्यादि हैं।

**दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन कहां स्थापित हुआ था?**

(a) कोलम्बो (b) इस्लामाबाद
(c) काठमांडू (d) ढाका

**जवाब:** (d) ढाका

**व्याख्या:** दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन की स्थापना 8 दिसंबर, 1985 को ढाका (बांग्लादेश) में हुई थी। सार्क की स्थापना के समय इस संगठन में क्षेत्र के 7 देश (भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, मालदीव और श्रीलंका) शामिल थे। अफगानिस्तान वर्ष 2007 में इस संगठन में शामिल हुआ।

**राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला किस मंत्रालय के अधीन काम करती है?**

(a) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
(b) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
(c) युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
(d) गृह मंत्रालय

**जवाब:** (c) युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय

**व्याख्या:** इस मंत्रालय के अधीन काम करने वाली संस्था राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के निर्देशन में यह प्रयोगशाला काम करती है। भारत में खेलों के क्षेत्र में डोप परीक्षण में उत्कृष्टता प्राप्त करना, अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक गुणवत्ता परीक्षण सेवाएं प्रदान करना तथा भारत में ड्रग मुक्त खेल यह इस संस्था का उद्देश्य है।

**– संकलनकर्ता: जितेश जोशी**

## Tips & Strategy for JEE Main Exam

Sometimes the Right Strategy and Time Management play a vital role in deciding the rank for an aspirant. So, one must be quick enough to adapt to the level of the paper and act promptly. The following points may however be kept in mind when attempting the questions.

- Go for easy questions first and leave the tougher ones for later on
- Choose sections that have less risk and more gain.
- Carefully scroll through the entire question paper in the first 5 minutes.
- Keep a check on time while attempting the paper Attempt those questions first which don't carry negative marking.
- Avoid starting from questions you don't know.
- Don't get upset if any section is tough. You can score in other sections.
- Don't guess if you have no idea about the concept involved in a question.
- Don't be nervous if you find the paper tough since it is the relative performance that counts. Hence, put your best analytical mind to work, it will take you ahead.
- How well you have mastered the important topics in each of Physics, Chemistry & Mathematics.
- Practice as much as similar levels of questions as asked in JEE Main.
- Timing is very important while solving questions.
- Give attention to time management & Strategy apart from covering your syllabi.
- Reach your exam center at least 30 minutes before reporting time
- Carry-All the necessary documents with you. Ensure to carry your JEE Main 2020 Hall Ticket and follow the instructions as per the hall ticket.
- Avoid studying anything new One day before the exam.
- Stay calm, confident, and trust yourself.
- Brush up important formulae in all three subjects.
- Have a proper sleep for at least 6-7 hours.

-By Ramesh Batlish
Expert FIITJEE

**अनेक उद्योग पति, संगठन व्यावसायिक संबंध बनाने, धन जुटाने या जश्न मनाने के लिए विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित करते हैं, जिनमें इवेंट मैनेजर अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं . . .**

## इवेंट मैनेजमेंट

# लगातार बढ़ती संभावनाएं

वर्तमान में इवेंट प्रबंधन रणनीतिक विपणन और संचार के लिए वह उपाय है जिसका उपयोग हर आकार की कंपनियों द्वारा किया जाता है। इवेंट मैनेजमेंट का दायरा अत्यंत विशाल है। उदहारण के लिए, त्योहारों; समारोह (मेले, परेड, शादी, पुनर्मिलन, जन्मदिन, वर्षगाँठ, बच्चों का नामकरण); शिक्षा (सम्मेलन, बैठकें, दीक्षान्त समारोह); प्रचार (उत्पाद लॉन्च, राजनीतिक रैलियाँ, ट्रेड शोज, फैशन शो); स्मारक (स्मारक, नागरिक कार्यक्रम); प्रदर्शनियों; खेल आयोजनों; इत्यादि हर क्षेत्र में इवेंट मैनेजर की आवश्यकता है।

किसी भी कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रोजेक्ट प्लानिंग से लेकर बजट तक कड़ी मेहनत और विविध प्रकार के कौशल और अनुभवों की आवश्यकता होती है।

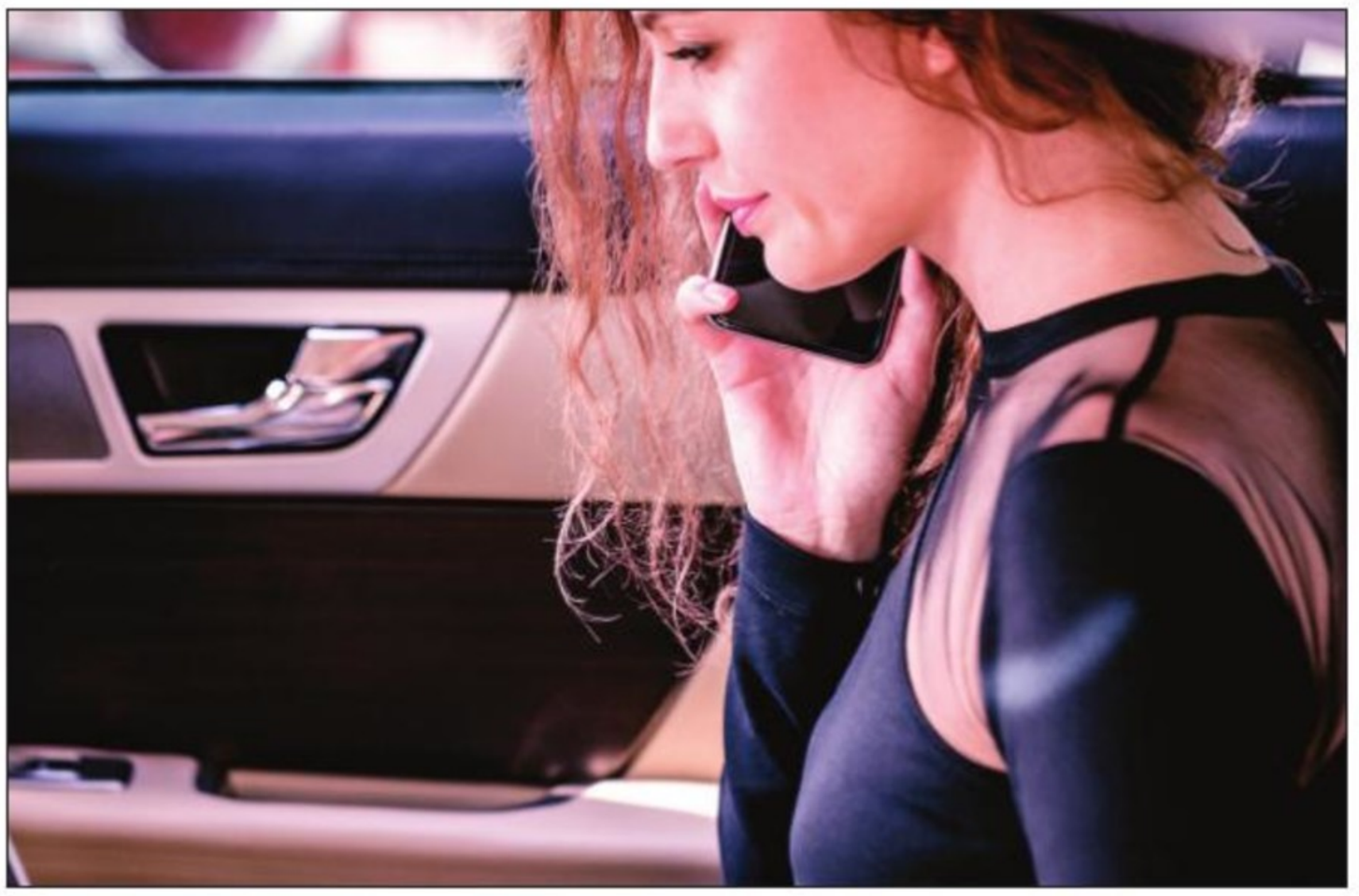

**इवेंट मैनेजमेंट के कुछ आवश्यक बिन्दु निम्नलिखित हैं:**

1. सबसे महत्वपूर्ण है कार्यक्रम के उद्देश्यों को समझना। अर्थात हम लोगों को क्या अनुभव देना चाहते हैं? स्पष्ट उद्देश्यों के बिना किसी भी कार्यक्रम की योजना बनाना असंभव है।

2. समय-सीमा स्थापित करना एवं स्थान का चयन। किसी भी बड़े कार्यक्रम में
जटिल समय प्रबंधन, शेड्यूलिंग और अन्य लोगों की गतिविधि का समन्वय शामिल है - जैसे कि खानपान, डिजिटल और तकनीकी सेट-अप और स्थल की तैयारी। सही
स्थल का चयन करने के लिए अनुसंधान एवं अनुबंध की आवश्यकता होती है।
आयोजन स्थल में गाड़ियों के लिए पर्याप्त पार्किंग स्थान होना चाहिए।

3. सही आपूर्तिकर्ताओं का चयन – प्रत्येक ईवेंट में आपूर्तिकर्ताओं की श्रृंखला शामिल होती है, जैसे की कैटरर्स, लाइटिंग, सज्जाकार, इत्यादि।

4. समय अनमोल है। अतएव आमंत्रितों को यह बताना महत्वपूर्ण हो जाता है कि कार्यक्रम एक आशाजनक कार्यक्रम होगा। प्रभावी संचार के लिए विभिन्न चैनलों जैसे कि प्रत्यक्ष मेल, सोशल मीडिया और डिजिटल मार्केटिंग के सही उपयोग की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम के दौरान मेहमानों को व्यस्त रखना भी आवश्यक है।

5. जोखिमों की पहचान करना और उन्हें कम करना इवेंट मैनेजमेंट का एक अभिन्न अंग है। वृद्ध, महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष सुरक्षा आयोजित करना इवेंट मैनेजमेंट का विशेष हिस्सा है। कुछ लश्लाजनक स्थितियां जैसे की गंदे शौचालय, पार्किंग की जगह की कमी, बैठने की अपर्याप्त व्यवस्था, जनरेटर में खराबी, भोजन अथवा पेय पदार्थों की कमी, निर्देशक या चेतावनी संकेतक या पहचान सूचक का सही जगह पर नहीं लगा होना, सुरक्षा में कमी, अनुचित खर्च, आदि से बचना अनिवार्य है। इवेंट मैनेजमेंट में सफलता के लिए त्वरित बौद्धिक शक्तियाँ और ठन्डे दिमाग से सोचने की क्षमता आव्यशक है। साथ-साथ इवेंट प्रबंधन में रचनात्मकता और मल्टीटास्किंग क्षमताओं की बहुत आवश्यकता होती है। आज ईवेंट प्लानिंग / विशेष ईवेंट्स क्षेत्र एक विशेष रूप से मल्टी-बिलियन डॉलर उद्योग में विकसित हो चुका है।

**इवेंट मैनेजमेंट पर उपयोगी किताबें:**

1. जुडी एलन द्वारा लिखित - इवेंट प्लानिंगः द अल्टीमेट गाइड टू सक्सेसफुल मीटिंग्स, कॉर्पोरेट इवेंट्स, फँड्रैसिंग गालास, कॉन्फरेन्सेस, कन्वेंशंस, इन्सेन्टिव्स एंड अदर स्पेशल इवेंट्स

2. विलियम ओतुले द्वारा लिखित कॉर्पोरेट इवेंट प्रोजेक्ट मैनेजमेंट

**-वालेस जेकब (मैनेजमेंट प्रोफेसर)**

### प्रमुख संस्थान

- नेशनल अकादमी ऑफ़ इवेंट मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट (जिसके अहमदाबाद, दिल्ली, जयपुर और मुंबई में परिसर हैं)
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ इवेंट मैनेजमेंट (जिसके भारत के अनेक शहरों में परिसर है)
- एमिटी स्कूल ऑफ़ कम्युनिकेशन (कोलकाता कैंपस)
- ई एम डी आई , मुंबई

**बच्चों को मानसिक तनाव से दूर रखने के लिए साहसिक और प्रेरक कहानियों का है खास महत्व**

# ताकि बच्चों की लय जुड़े अभय से

बच्चे तो सारी दुनिया मे एक जैसे ही होते हैं। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि मनोरोग जानकारों के अनुसार बच्चों में कई तरह की मानसिक समस्याओं के केस में दोगुनी से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है जो सही नहीं है। सालों पहले "मेरे पास आओ मेरे दोस्तों एक किस्सा सुनो।"याद आया अमिताभ बच्चन की आवाज में सजा कहानीनुमा यह गीत जिसे सुनते ही सारे बच्चे मंत्र मुग्ध से खिंचे चले जाते है। यही तो वह पहला कदम है , जो बच्चो और किताबो के बीच की कड़ी का काम करता है। बच्चों को कहानियों से परिचय करवाने के लिए सर्वाधिक आवश्यक है कि कहानियों ,किस्सो तथा किताबों को उनके पास लाया जाये और वह भी एक आकर्षण या कह लीजिये छोटा मोटा तिलिस्म सा क्रिएट करके। जब वे आपसे कहानी सुन रहें हो या आपको किताब पड़ते देखेगें तो किताबों के प्रति उनकी दिलचस्पी जागृत होगी। माना कि जिस किताब से आप उसे अच्छी अच्छी प्रेरक कहानियां सुनाएगी तो कोई भी नन्हा मुन्ना सबसे पहली बार फाड़ने के लिए ही किताब पकड़ेगा तो उसे रोकियेगा नही , न ही किताब उठाकर शेल्फ में रखिये। किताबो को उसकी पहुच से दूर मत कीजिये। किसी भी कीमत पर किताबो को उसके पास आने दीजिये। यही से शुरू होगा कहानी किस्सों का सफर तथा किताबो से दोस्ती भी और उससे भी बड़ा परिणाम यह होगा कि कोरोनकाल के दुष्परिणामो से बच्चा काफी कुछ बचा रहेगा तथा उससे हर स्थिति में लड़ने की ताकत बचपन मे पैदा होगी जो उसे ताउम्र काम आएगी।

**इतिहास भी रोचक है कथाओं का**

कथाएँ असल मे हमे विरासत में ही मिली है। इसका सफर शुरू भी तभी से हुआ जब धरती पर मनुष्यों ने बोलना सीखा ,लिखना सीखा। फिर धीरे धीरे कथाएं लिखी जाने लगी, पात्र गढ़ने लगे, लोरी सुनाई जाने लगी। एक जादू की छड़ी जिससे पलक झपकाकर कुछ भी मांगा और हाजिर हो गया बस वैसे ही शुरू हुआ कथाओं का रोमांचक सफर। धरती पर शायद ही कोई देश ऐसा होगा जिसके निवासियों ने कथाओं की अमूल्य धरोहर को बढ़ाया या सजाया ना हो।

कहानी सुनने की परम्परा तब भी थी, आज भी है। शहरों का आलीशान कल्चर भी इस परम्परा को तोड़ न पाया है। गांवो में आज भी ढिबरी की टिमटिमाती रोशनी में बुजुर्ग अपने नातो पोतों को कहानी के विचित्र संसार से मनगढ़ंत पात्रों के बीच घुमाया करते है। प्राचीनकाल में मनुष्य जब लम्बी-लम्बी यात्राओं में तब सिर्फ धरती, आसमान, समुद्र, पेड़-पौधे, कहानी के पात्र हुआ करते थे फिर धीरे धीरे उसमे परियाँ भी जुड़ने लगी। बस तभी से परीकथाओं का जन्म भी हुआ।

**ऐसे शुरू करें कहानी की रीडिंग**

एक्सपर्ट डॉक्टर जिम टेल्स के अनुसार जब बच्चा प्यार को समझता है तब क्या उसे हम प्यार करते है? नहीं न। वे कहते हैं सालभर के बच्चे से अगर हम कहें वह ताली बजाए, तो बच्चा ताली बजाता है, हाथ भी जोड़ता है। इसी उम्र के आसपास उसे छोटी-छोटी सरल भाषा में कहानियां सुनाएं। जिन शब्दों को वह जानता है, कहानियां भी उन्हीं शब्दों की सुनाइए। इससे उसकी कल्पना में चित्र बनने लगते हैं। उसकी रुचि ऐसे ही पैदा होती है। अमूमन तीन से पांच साल की उम्र में ही बच्चों का किताबों से नाता जुड़ने लगता है।

**कहानियों से बच्चों के जीवन पर प्रभाव**

जब बच्चा छोटा होता है। तब तो वह अपनी जिज्ञासा माता पिता से पूछ पूछकर ही पूरी कर लेता है। लेकिन वर्तमान में कोरोना के कारण बच्चा घर पर ही रहता है ऐसे में पेरेंट्स को सतर्क रहने की जरूरत है। इस समय उम्र के हिसाब से उसे रंग बिरंगी , परी कथाओं ,तथा कॉर्टूनो की सचित्र पुस्तको की कहानियां सुनानी चाहिए। किताबे भी सामने ही रखी जाएँ तो बच्चो को जल्दी समझने के अलावा उसकी रुचि किताबो के खुद पढ़ने के प्रति भी बढ़ने लगेगी।

**कहानियां प्रेरणा देती हैं**

सभी जानते हैं कि गांधीजी को महान बनाने के लिए गीता और टालस्टाय का योगदान था। अतः बच्चो को जीवनियों तथा आत्मकथाओं से रू-ब-रू कराइये। इससे उन्हें पता चलता है कि महापुरुषों के जीवन में कैसे कैसे संघर्ष आते थे। ऐसे में बच्चे संघर्षशील तथा साहसी भी बनते हैं। क्रांतिकारियों की बलिदान कथाएं उन्हें बताती है कि देश की आजादी का मूल्य क्या है? एक बात और कहानियां बच्चो को अपनी संस्कृति से जोड़े रखती है। इसलिए अपने रीति रिवाजों तथा परम्पराओं से जुड़ी कहानियां भी जरूर सुनाएं। मैथिलीशरण गुप्त की भारत-भारती को पढ़कर कितने ही नोजवानों ने आजादी में जोर-शोर से हिस्सा लिया था। बचपन में आपके द्वारा सुनाई या पढ़ाई जाने वाली कहानियां उसे ताउम्र याद रहेगी।

**- रेणु जैन**

### संविधान की छठी अनुसूची के लिए

# अरुणाचल प्रदेश का प्रस्ताव पारित

**जनजातियों की पहचान बचाने के लिए पारित किया गया प्रस्ताव..**

संविधान की छठी अनुसूची चार पूर्वोत्तर राज्यों- असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में अनुच्छेद 244 के अनुरूप व्यवहार करती है। अरूणाचल प्रदेश विधानसभा ने हाल ही में प्रदेश को भारतीय संविधान की छठी अनुसूची के अधीन लाने से संबंधित प्रस्ताव पारित किया है। अरूणाचल प्रदेश विधानसभा ने राज्य के जनजातीय समुदाय की पहचान बचाए रखने के लिए संविधान की छठी अनुसूची में जरूरी संशोधन करने से संबंधित एक प्रस्ताव पारित किया है। संसदीय कार्य मंत्री बमांग फेलिक्स द्वारा सदन में रखे गए प्रस्ताव पर चर्चा के बाद इसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि राज्य सरकार ने जो प्रस्ताव रखा है वह ऐतिहासिक है।

**मुख्य बिंदु**

- संविधान की छठी अनुसूची चार पूर्वोत्तर राज्यों- असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में अनुच्छेद 244 के अनुरूप व्यवहार करती है।
- राज्यपाल को ज़िले के क्षेत्रों को बढ़ाने या घटाने अथवा स्वायत्त ज़िलों के नाम में परिवर्तन कर सकने की शक्ति प्राप्त है।
- यद्यपि संघ कार्यकारी का शक्तियाँ पाँचवीं अनुसूची में शामिल क्षेत्रों के प्रशासन तक विस्तारित हैं, लेकिन छठी अनुसूची में शामिल क्षेत्र राज्य के कार्यकारी प्राधिकार के अंतर्गत आते हैं।
- प्रस्ताव में कहा गया कि विधानसभा संकल्प लेती है कि मूल निवासियों के जनजातीय अधिकारों की रक्षा के लिए अरुणाचल प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाएगा।

**छठी अनुसूची के बारे में**

संविधान की छठी अनुसूची असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा के आदिवासी क्षेत्रों के लिए अलग व्यवस्था करती है। यह संविधान सभा द्वारा गठित बारदोलोई समिति की रिपोर्टों पर आधारित थी। अनुच्छेद 244(क) को 22वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1969 के माध्यम से संविधान में जोड़ा गया था। यह संसद को असम के कुछ आदिवासी क्षेत्रों और स्थानीय विधानमंडल या मंत्रिपरिषद या दोनों हेतु एक स्वायत्त राज्य स्थापित करने का अधिकार देता है। इसे सबसे पहले 1949 में संविधान सभा द्वारा पारित किया गया था। यह जनजातीय आबादी के अधिकारों की रक्षा के लिए स्वायत्त जिला परिषदों (ADCs) को अधिनियमित करने की शक्ति प्रदान करता है।

**आदिवासियों को लाभ**

छठी अनुसूची उस क्षेत्र की भूमि पर मूल निवासियों के विशेषाधिकार की रक्षा करती है। छठी अनुसूची आदिवासी समुदायों को काफी स्वायत्तता प्रदान करती है। जिला परिषद और क्षेत्रीय परिषद को कानून बनाने की वास्तविक शक्ति प्राप्त है। ये निकाय क्षेत्र में विकास, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, सड़कों और नियामक शक्तियों के लिए योजनाओं की लागत को पूरा करने के लिए भारत की संचित निधि से धन को मंजूरी प्रदान कर सकते हैं। ज़िला और क्षेत्रीय परिषदें अपने अधिकार क्षेत्र के तहत क्षेत्रों का प्रशासन करती हैं। वे भूमि, वन, नहर के जल, स्थानांतरित कृषि, ग्राम प्रशासन, संपत्ति का उत्तराधिकार, विवाह एवं तलाक, सामाजिक रीति-रिवाजों जैसे कुछ मामलों पर कानून बना सकती हैं लेकिन ऐसे कानूनों पर राज्यपाल की सहमति आवश्यक है।

## WEEKLY DAIRY

### 26 अगस्त

पेंशन व पेंशनभोगियों के कल्याण विभाग (DoPPW) ने केंद्र सरकार के सिविल पेंशनरों की आसानी को बढ़ाने के लिए डिजी लॉकर के साथ लेखा महानियंत्रक के पीएफएमएस एप्लीकेशन के माध्यम से उत्पन्न इलेक्ट्रॉनिक पेंशन भुगतान आदेश (ई-पीपीओ) को एकीकृत किया है।

### 27 अगस्त

उच्चतम न्यायालय ने फैसला दिया है कि उसका 2004 का फैसला, जिसमें कहा गया था कि राज्यों को कोटा देने के लिए एससी / एसटी को उप-वर्गीकृत करने की शक्ति नहीं है, को 7 या अधिक न्यायाधीशों की पीठ द्वारा एक पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता है।

### 28 अगस्त

द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटेन की जासूस नूर इनायत खान को लंदन में उनके पूर्व पारिवारिक घर में स्मारक 'ब्लू प्लाक' से सम्मानित किया। नूर भारतीय मूल की पहली महिला हैं जिन्हें ये सम्मान दिया गया। इंग्लिश हैरिटेज धर्मार्थ संगठन 'ब्लू प्लाक' योजना के तहत लोगों को सम्मानित करता है।

### खेल

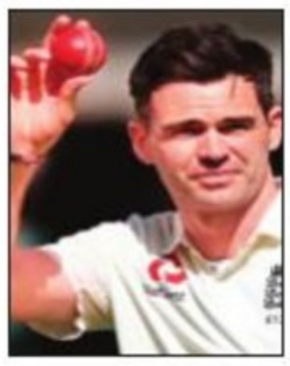

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट में 600 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट के दौरान 25 अगस्त 2020 को उन्होंने अपने टेस्ट करियर के 600 विकेट पूरे कर लिये। जेम्स एंडरसन का 600वां शिकार पाकिस्तान के कप्तान अजहर अली बने। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने पहली स्लिप में उनका कैच जैसे ही लपका, सभी खिलाड़ियों ने एंडरसन को घेर लिया। यह उपलब्धि उन्होंने 156वें टेस्ट मैच में हासिल की। टेस्ट मैच शुरू होने से पहले एंडरसन के 593 विकेट थे। उन्होंने पहली पारी में 56 रन देकर 5 विकेट लिये, जिससे उनके टेस्ट विकेटों की संख्या 598 तक पहुंच गई थी।

### नियुक्ति

राकेश अस्थाना को हाल ही में बीएसएफ का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। राकेश अस्थाना वर्तमान में नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के महानिदेशक और नारकोटिस्क कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के अतिरिक्त प्रभार के साथ काम कर रहे हैं। कार्मिक मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, गुजरात कैडर के आईपीएस अधिकारी राकेश अस्थाना को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का महानिदेशक और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वी एस के कौमुदी को गृह मंत्रालय में विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) नियुक्त किया गया है। वे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 27वें महानिदेशक हैं। आदेश में कहा गया है कि राकेश अस्थाना पद का कार्यभार संभालने की तारीख से 31 जुलाई 2021 तक बीएसएफ महानिदेशक के रूप में रहेंगे।

### निधन

भारत रत्न (2019) और पूर्व राष्ट्रपति (2012-17) प्रणब मुखर्जी का 84 वर्ष की आयु में 31 अगस्त 2020 को निधन हो गया। उन्होंने वित्त मंत्री, रक्षा मंत्री इत्यादि पदों पर रहकर देश की सेवा की। उनका जन्म 11 दिसंबर, 1935 को पश्चिम बंगाल के बीरभूम में हुआ था।प्रणब मुखर्जी 1969 से पांच बार राज्यसभा के सांसद चुने गए, फिर 2004 में उन्होंने चुनावी राजनीति में कदम रखा और लोकसभा सांसद भी चुने गए. इंदिरा गांधी की मदद से राजनीति में प्रवेश करने वाले प्रणब मुखर्जी कांग्रेस का सबसे बड़ा और भरोसेमंद चेहरा भी बने। साल 1973 में प्रणब मुखर्जी पहली बार केंद्रीय मंत्री बने, उसके बाद लगातार वो इंदिरा गांधी की सरकार, फिर राजीव गांधी की सरकार में मंत्री बनते रहे। 1980 में प्रणब मुखर्जी का राज्यसभा में कांग्रेस नेता बने थे।

■ देश की पहली महिला कार्डियोलॉजिस्ट (हृदय रोग विशेषज्ञ) डॉ शिवरामकृष्ण अय्यर पद्मावती का 29 अगस्त 2020 को कोरोना वायरस बीमारी (कोविड -19) की वजह से निधन हो गया। डॉ. शिवरामकृष्ण अय्यर पद्मावती 103 साल की थीं। डॉ शिवरामकृष्ण अय्यर पद्मावती का जन्म म्यांमार में हुआ था।

### विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सूर्य और इसके आसपास के वातावरण (जिसके जरिये पृथ्वी के साथ इसका संपर्क बना रहता है) के अध्ययन का विस्तृत खाका तैयार कर लिया है। एक मिशन के तहत नासा इस कार्यक्रम को अंजाम देगा। इसके लिए एजेंसी ने पांच प्रस्तावों का चयन किया है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि मिशन की अवधारणा के अध्ययन के लिए के प्रत्येक प्रस्ताव पर 1.25 मिलियन डॉलर (लगभग 10 करोड़ 96 लाख रुपये) का खर्च आएगा और इसके बाद मिशन को लांच किया जाएगा।

## ज्ञान की कमान

72 वर्षीय अर्चना महंत, जिनका निधन हो चुका है, किस पेशे से जुड़ी थीं?
■ गायकी

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा स्थापित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर नए फोरम का प्रमुख कौन है?
■ संदीप पटेल

मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) के अनुसार, एमबीबीएस पाठ्यक्रम में किस मॉड्यूल को नया जोड़ा जायेगा?
■ महामारी प्रबंधन

ग्लोबल थिंक-टैंक टेरी (TERI) द्वारा आयोजित, दरबारी सेठ मेमोरियल व्याख्यान किस प्रसिद्ध व्यक्तित्व ने दिया?
■ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस

किस देश द्वारा भारतीय डॉक्टर द्वारकानाथ कोटनिस की प्रतिमा स्थापित की जाएगी?
■ चीन

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा किस महीने में पोषण माह आयोजित किया जाता है?
■ सितंबर

हुलहुमाले सेंट्रल पार्क, जो हाल ही में खबरों में देखा गया था, किस देश में स्थित है?
■ मालदीव

## WEEKLY DAIRY

### 29 अगस्त

संयुक्त राज्य अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी ने क्रमशः डोनाल्ड ट्रम्प और माइक पेंस को अपने राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के रूप में फिर से नामित किया है। अमेरिका में इस साल नवंबर माह में राष्ट्रपति चुनावों के आयोजन की संभावना है।

### 30 अगस्त

भारत सरकार के केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 1 सितम्बर से 30 सितम्बर 2020 तक अनलॉक 4.0 की घोषणा की; 7 सितम्बर से मेट्रो ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो सकती हैं और सामाजिक तथा अन्य कार्यों में 100 लोगों की सीमा के साथ अनुमति दी जाएगी।

### 31 अगस्त

केंद्रीय सड़क परिवहन, राजमार्ग और एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महाराष्ट्र में 777 करोड़ रु. की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने राज्य में सुदूर आदिवासी और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को जोड़ने वाली 33 कि.मी. सभी मौसम सड़क का भी उद्घाटन किया।

## अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0523

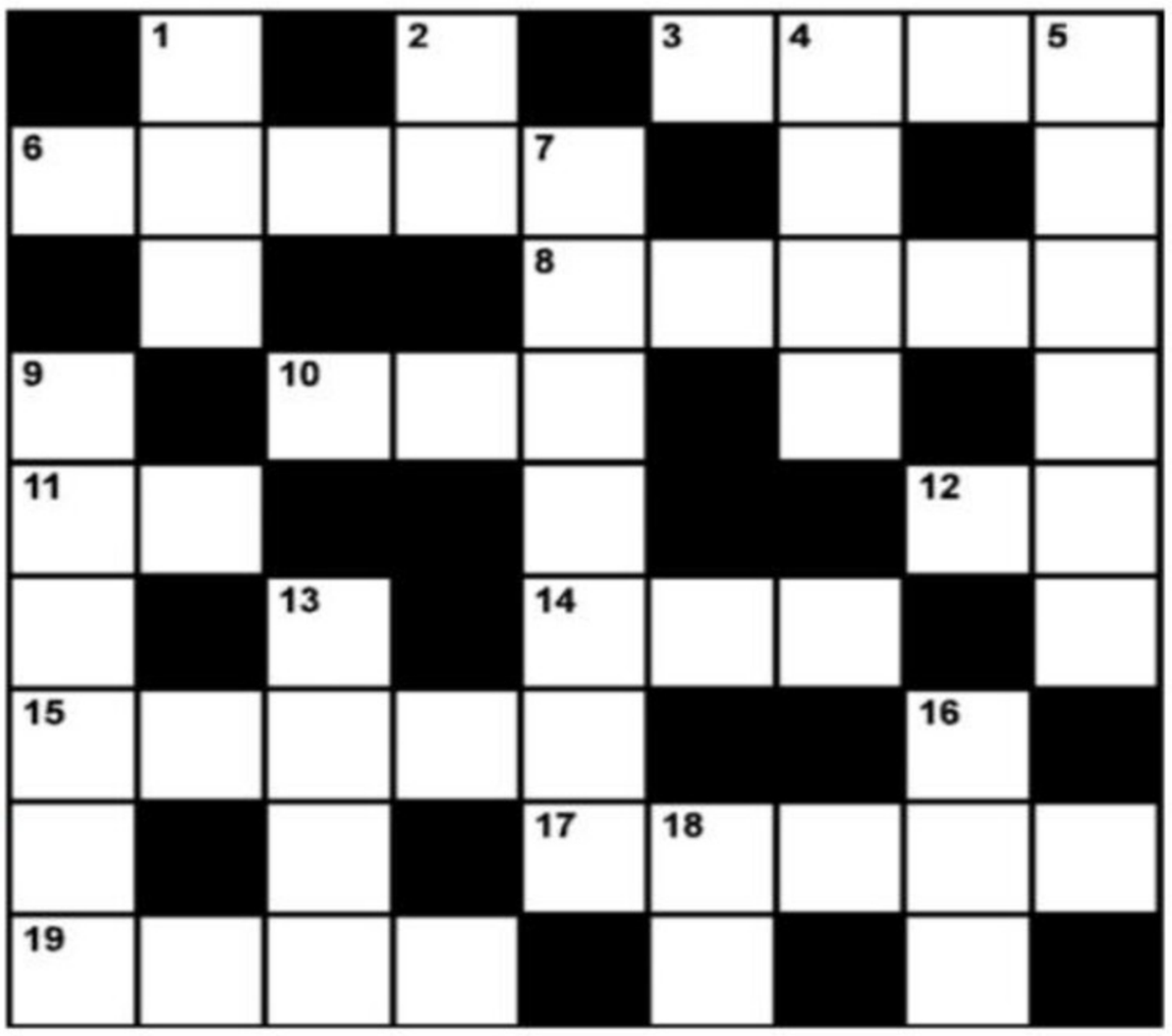

**बाएं से दाएं: 10/38**

3. 845 के लगभग सिंहासन पर बैठा कोक्ल्ल प्रथम इस वंश का प्रथम ज्ञात शासक था; दक्षिण का एक प्राचीन राजवंश जिसके अधिकार में कर्णाट, चेदि, दाहल, मंडल आदि देश थे (4)
6. 30 नवंबर 1966 को यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्र हुआ वेस्ट इंडिज क्षेत्र का एक द्वीपीय राष्ट्र (5)
8. अभिमंत्रित यंत्र; गंडा तावीज; रक्षा करने वाला आवरण; संरक्षण (5)
10. कलिका; जैव इकाई; पौधे या जीव की क्षुद्रतम इकाई जो जनन क्रिया संपन्न कर सके (3)
11. 1971 में आई थी निर्माता/निर्देशक आई.एस. जौहर की कल्याणजी आनंदजी के संगीत से सजी दिलीप दत्त, कबरी चैधरी, आई.एस. जौहर, मधु मालती, अंबिका जौहर, राजीव जौहर की फिल्म 'जय बंगला ..' (2)
12. दर; आशय; ढंग; नाज; नखरा (2)
14. दो पहिया उद्योग से जुड़ा देश का सुप्रसिद्ध औद्योगिक घराना; कपड़ा बेचने वाला (3)
15. आश्रय देना; शरण देना; सहायता करना (3,2)
17. पश्चिम अफ्रीकी देश जिसकी सीमा पूर्व में कैमरून और चाड, पश्चिम में बेनीन, उत्तर में नाइजर और दक्षिण में गिन्नी की खाड़ी से लगती है (5)
19. सुप्रसिद्ध फिल्म संगीतकार '.... भाटिया'; अश्मंतक; जंगल का राजा; सिंह (4)

**ऊपर से नीचे: 9/37**

1. दूत; गुप्तचर; एक प्राचीन वैद्य (3)
2. 27 जनवरी 2020 को राजधानी दिल्ली में इनकी दशकों पुरानी समस्या के समाधान के लिये केंद्रीय गृह मंत्री की मौजूदगी में एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये गए; पूर्वोत्तर भारत के असम राज्य की जनजाति (2)
4. कोमलता या नखरे आदि के कारण चलते समय रह रहकर झुकना; दबाने पर झुकना (4)
5. 2013 में आई 'मेरे डैड की मारुति' की जसलीन, 2014 में आई 'सोनाली केबल' की सोनाली दाताराम टंडेल, 2017 में आई 'दोबारा सी योर इविल' की तान्या, 'हाफ गर्ल फ्रेंड' की अंशिका, 'बैंक चोर' की गायत्री गांगुली, 2018 में आई 'जलेबी ऐशा, निर्माणाधीन 'चेहरे' की नेहा (2,4)
7. मंत्रिमंडल का गठन करना; शासन पर अधिकार करना (4,3)
9. विदेश विभाग का सचिव (3,3)
13. उर्वर; पुष्पित; प्रस्फुटित; हरियली से भरा हुआ; ताजा; प्रसन्न; समृद्ध (2,2)
16. हरापन लिए हुए; हरा भरा; हरियाली; सेना; कश्यप एक पुत्र (3)
18. अंत; पूर्णता; समाप्ति; समाप्ति सूचक शब्द (2)

- हरीश चन्द्र सन्सी
- प्रस्तुति: विविधा विधा, दिल्ली

## ANSWER

**अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0522**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 म | 2 नो | ह | र | 3 श्या | म | 4 जो | शी |
| 5 रा | | क | | | मा | | शी | |
| 6 ज | ग | दा | धा | 7 र | | 8 नी | म | च |
| ना | | र | | ज | | | ठ | |
| थ | | | 9 सु | नी | ल | | | 10 सो |
| | 11 मृ | | | कां | | 12 भा | | म |
| 13 गू | ग | ल | | 14 त | ना | व | हो | ना |
| | म | | 15 ची | | | ता | | थ |
| 16 वृं | दा | व | न | ला | ल | व | र्मा | |

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...



## ENGLISH GYAN

### Towards Better ENGLISH - 51

**Prefix (1):**

Prefix is a letter or group of letters placed at the beginning of a word to change the meaning of the word or make a new word.

The following are some of the most common and useful English prefixes:

| Prefix | Meaning | Examples |
|---|---|---|
| a- | not, without | atheist, amoral |
| a- | towards, to | aback, aside |
| ante- | Before | antedate, anteroom |
| anti- | opposing, against | antibiotic, antisocial |
| auto- | Self | automobile, autobiography |
| bi- | two | bicycle, bilingual |
| co- | together, with | co-operate, co-worker |
| counter- | Against | counterclaim, counteract |
| cyber- | computer, internet | cybercafé, cybercrime |

**Word /phrase of the week:**

**carpe diem**- an expression used for saying that people should enjoy the present without concern for the future (एक अभिव्यक्ति जिसका उपयोग यह कहने के लिए किया जाता है कि लोगों को भविष्य की चिंता किए बिना वर्तमान का आनंद लेना चाहिए)

- *The chief guest said that he owed his success in life to his belief in carpe diem.*
- *I always urge my friends to practise carpe diem.*

**Interesting Fact:**

First Professional Stage Actress- Margaret Hughes (UK, 1643-1719) appeared as Desdemona in Thomas Killigrews version of Othello, 'The Moor of Venice' on the 3rd December 1660, at a converted tennis court called the Vere Street Theatre, London, UK. (Guinness World Records)

**डॉ. विनोद कुमार मंगवानी**
सह-प्राध्यापक (अंग्रेजी), मर्चेंट नेवी संस्थान, पुणे

जिज्ञासा

# क्या आप जानते हैं?

प्लेटो के अनुसार ईश्वर अक्सर ज्यामिति करता है, और सच कहूं तो मानवों ने दुनिया में जितनी चीजें बनायीं वो गणित और वास्तुकला के बिना संभव नहीं है। ऊंचे भवन का निर्माण हो, फ्लाईओवर बनाना हो, रेलवे, स्मारक, धार्मिक स्थल जैसे – मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर हो या गुरुद्वारा, गणित की आवश्यकता इन सब को बनाने में तो होती ही है, या यूं कहे कि आपको गणित की समझ न हो पर आप बिना गणित के प्रयोग से किसी निर्माण कार्य को कर ही नहीं सकते। प्राचीन समय में ऋषि- मुनियों के द्वारा यज्ञ के लिए अग्नि कुंड बनाने की आवश्यकता को ज्यामिति की मदद से ही पूरा किया जाता रहा होगा। ऋषियों के द्वारा समकोण त्रिभुज या चतर्भुज का निर्माण भी एक उन्नत कला का उदाहरण था। यही नहीं वैदिक काल में रस्सियों की मदद से 3, 4, 5 इकाई के समकोण त्रिभुज का निर्माण का उल्लेख भी मिलता है जो एक त्रिक समूह का निर्माण करता है, परथेनोस मंदिर निर्माण में भी समकोण त्रिभुज की भुजाओं का प्रयोग किया गया था इसकी लम्बाई, चौड़ाई और ऊंचाई क्रमशः 69.5 मीटर, 30.88 मीटर तथा 13.72 मीटर है जो 81:36: 16 है जो है।

**एथेंस स्थित परथेनोस का मंदिर**

पिरामिड निर्माण में स्वर्ण त्रिभुज का प्रयोग स्पष्ट दिखता है। स्वर्ण अनुपात का मान 1.618033989 होता है और होगावही पिरामिड की भुजाओं के बीच का कोण है जो महज एक संयोग नहीं दिखता। दूसरी सबसे मजेदार बात पिरामिड में यह देखने को मिलती है कि इसकी परिमाप 365.24 मीटर है जो एक वर्ष में दिनों की संख्या के बराबर है।

वारंगल स्थित 1000 खम्बे वाला मंदिर जिसका निर्माण 1163 ई. में हुआ था एक तारानुमा रचना प्राप्त मंदिर है जिसमे त्रिदेव – शंकर, विष्णु और सूर्य के मंदिर प्रमुख हैं। इस मंदिर के अन्दर बने खम्बे के चारों ओर 2 सेमी से 30 सेमी तक की गोलाई में बहु आकृति उकेरे हुए हैं। इनमें से कुछ ऐसे खम्बे हैं जिन्हें ठोकने पर सरगम की धुन सुनाई पड़ती है।

वृहदेश्वर मंदिर तंजोर भी वास्तुशास्त्र से प्रेरित है। इस मंदिर के निर्माण में प्राचीन मानक इकाई अंगुल का प्रयोग किया गया है जहां 1 अंगुल = 11/8 इंच । इस मंदिर की गुम्बद 216 फीट ऊंची है जो कि एक विश्व रिकॉर्ड है।

मस्जिद बनाने के लिए मुस्लिम अधिकांशतः वर्ग और वृत का प्रयोग विभिन्न रूपों में करते रहे हैं जो कभी कभी आपस में मिलकर एक नया डिजाईन का निर्माण करते हैं, जिसमें सितारे और बहुभुज का प्रयोग भी बहुतायत में दिखता है। इस्लामी कला आम तौर पर 5 टेम्पलेट टाइल्स – 10 भुज, पंचभुज, षट्भुज, धनुष और चतर्भुज का उपयोग करता रहा है जिन्हें दोहराने पर एक अनंत सममित पैटर्न का निर्माण होता है जो इमारतों को आकर्षित करने के लिए उपयोग होता रहा है। शाह नेमतोल्लाह वली के माजर पर नीले पत्थरों से जो गुम्बद बनाई गयी है उसमें 5, 7, 9, 10, 11, और 12 शीर्ष वाले सितारे की रचना की गयी है।

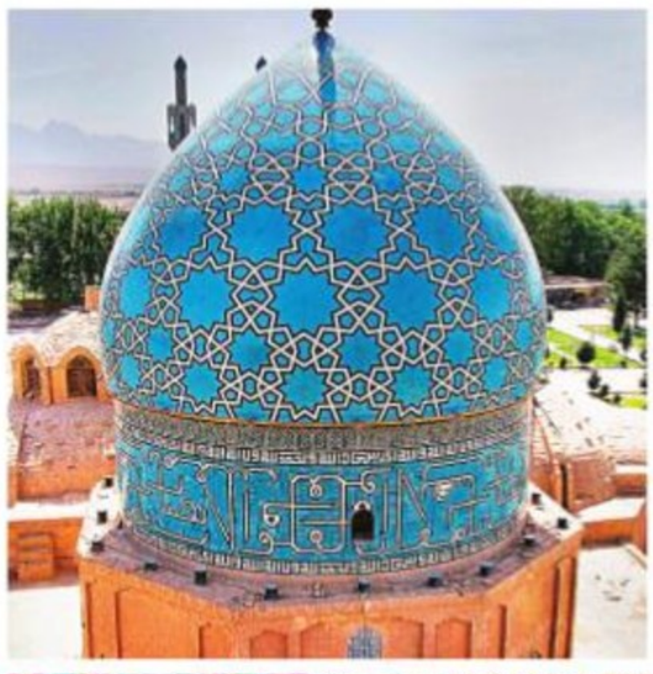

नासिर ए मुल्क मस्जिद में पंच्भुजाकार रचना मस्जिद की शोभा में चार चांद लगाता है साथ ही इसकी छत पर की गयी नक्काशी में अपरिमित सममिति का अनूठा संयोग दिखता है।

# INTERNSHIP ALERT

**वेब डवलपमेंट इंटर्नशिप**
**कंपनी** - स्टेमपीडिया
**कहां** - वर्क फ्रॉम होम
**वेतन** - 6,000-12,000 रुपये प्रति माह
**यहां करें आवेदन-** https://bit.ly/AU-2062
**आवेदन की अंतिम तिथि-** 4 अक्टूबर 2020

**मार्केटिंग इंटर्नशिप**
**कंपनी** - वायरल स्ट्रिंग्स
**कहां** - वर्क फ्रॉम होम
**वेतन** - 5,000 रुपये प्रति माह
**यहां करें आवेदन-** https://bit.ly/AU-2063
**आवेदन की अंतिम तिथि-** 4 अक्टूबर 2020

**ग्राफ़िक डिज़ाइन इंटर्नशिप**
**कंपनी** - मार्केटिंग मोजितो
**कहां** - वर्क फ्रॉम होम
**वेतन** - 5,000-10,000 रुपये प्रति माह
**यहां करें आवेदन-** https://bit.ly/AU-2064
**आवेदन की अंतिम तिथि-** 4 अक्टूबर 2020

**कंटेंट राइटिंग इंटर्नशिप**
**कंपनी** - सर्वे फॉर सेंट्स
**कहां** - वर्क फ्रॉम होम
**वेतन** - 3,000 रुपये प्रति माह
**यहां करें आवेदन-** https://bit.ly/AU-2065
**आवेदन की अंतिम तिथि-** 4 अक्टूबर 2020

**डिजिटल मार्केटिंग इंटर्नशिप**
**कंपनी** - मेरु एकाउंटिंग
**कहां** - वर्क फ्रॉम होम
**वेतन** - 3,000-5,000 रुपये प्रति माह
**यहां करें आवेदन-** https://bit.ly/AU-2066
**आवेदन की अंतिम तिथि-** 4 अक्टूबर 2020

**एंड्राइड डेवलपर इंटर्नशिप**
**कंपनी** - एडुगोरिल्ला
**कहां** - लखनऊ
**वेतन** - 10,000 रुपये प्रति माह
**यहां करें आवेदन-** https://bit.ly/AU-2067
**आवेदन की अंतिम तिथि** - 4 अक्टूबर 2020

**बिज़नेस डवलपमेंट (सेल्स) इंटर्नशिप**
**कंपनी** - लर्न्टअस टेक्नॉलॉजीस
**कहां** - लखनऊ
**वेतन** - 8,000-10,000 रुपये प्रति माह
**यहां करें आवेदन-** https://bit.ly/AU-2068
**आवेदन की अंतिम तिथि-** 4 अक्टूबर 2020

# SCHOLARSHIP ALERT

## कॉलेज बोर्ड इंडिया स्कॉलर्स प्रोग्राम 2019-20

**विवरण:** कॉलेज बोर्ड द्वारा मेधावी एवं आर्थिक रूप से कमजोर ग्यारहवीं व बारहवीं क्लास के छात्रों को SAT परीक्षा फीस में छूट दी जा रही है। SAT परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले 12वीं के विद्यार्थियों को ग्लोबल हायर एजुकेशन अलाएंस इंस्टिट्यूशंस से ग्रेजुएशन डिग्री प्रोग्राम करने के लिए पूर्ण छात्रवृत्ति भी प्राप्त होगी। यह छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए छात्रों को मई 2020, SAT (सेट) परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

**मानदंड:** सत्र 2019-20 में बारहवीं के छात्र जो इंडिया में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं एवं जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 4 लाख रुपये से कम है व परीक्षा में बेहतरीन रैंकिंग (1350/1600) प्राप्त करेंगे वे पूर्ण छात्रवृत्ति के योग्य होंगे।

**इनाम/लाभ:** ग्यारहवीं व बारहवीं कक्षा के ऐसे छात्र, जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 10 लाख रुपये से कम है, उन्हें SAT (सेट) परीक्षा फीस में 50 से 90 फीसदी तक की छूट मिलेगी। बेहतरीन रैंकिंग प्राप्त करने वाले जिन छात्रों की पारिवारिक वार्षिक आय 4 लाख रुपये से कम है, उन्हें ग्लोबल हायर एजुकेशन अलाएंस इंस्टिट्यूशंस से ग्रेजुएशन डिग्री प्रोग्राम हेतु पूर्ण छात्रवृत्ति मिलेगी।

**अंतिम तिथि:** 31-12-2020

**आवेदन कैसे करें:** इच्छुक छात्र को ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

**आवेदन लिंक:** www.b4s.in/au/CBI2

# ADMISSION ALERT

## दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग

**कोर्स**

(I) फायर फाइटिंग में छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स (योग्यता: 10वीं उत्तीर्ण)

(II) फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट में एक साल का सर्टिफिकेट कोर्स (योग्यता: 12वीं उत्तीर्ण)

(III) पर्यावरण और स्वास्थ्य सुरक्षा में व्यापार डिप्लोमा (योग्यता: 10वीं उत्तीर्ण)

**आवेदन कैसे करें-** प्रॉस्पेक्टस और एप्लीकेशन फॉर्म को नकद में 300 रुपये के भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है या दिल्ली आवेदन पत्र में देय संस्थान के पक्ष में डीडी के माध्यम से भी वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

**पता:** दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग प्लाट संख्या 975 मुंडका, नई दिल्ली -110041

**फोन नंबर:** 9560952952

**वेबसाइट:** www.dcfse.com

## पीएक्सई-डीआरडीओ जूनियर रिसर्च फेलोशिप 2020

**विवरण:** प्रूफ एंड एक्सपेरिमेंटल इस्टैब्लिशमेंट (पीएक्सई), डिफेन्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट आर्गेनाईजेशन (डीआरडीओ) बीई / बीटेक डिग्री धारकों से पीएक्सई-डीआरडीओ जूनियर रिसर्च फेलोशिप 2020 के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

**मानदंड:** फेलोशिप 28 वर्ष से कम आयु के उम्मीदवारों को दी जाती है, जिनके पास प्रथम श्रेणी के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बीई / बीटेक की डिग्री हो। उनके पास ईसी इंजीनियरिंग में वैध गेट स्कोर होना चाहिए।

**इनाम/लाभ:** 31,000 रुपये प्रति माह तथा एचआरए ।

**अंतिम तिथि:** 10 सितंबर 2020

**आवेदन कैसे करें:** ईमेल द्वारा

**आवेदन लिंक:** www.b4s.in/au/PXE1

## आईसीएआई डॉक्टरल स्कॉलरशिप स्कीम 2020

**विवरण:** द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा ऑडिटिंग, टेक्सेशन, कॉमर्स, मैनेजमेंट व अकाउंटिंग डिसेप्लीन में डॉक्टरल रिसर्च डिग्री पूरी करने हेतु आर्थिक मदद प्रदान करने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

**मानदंड:** आईसीएआई की सदस्यता धारक 40 वर्ष से कम आयु वर्ग के उम्मीदवार जो मान्यता प्राप्त संस्थानों से उल्लेखित विषयों में पीएचडी कर रहे हैं। इसके अलावा आवेदन मौजूदा समय में अन्य किसी सरकारी स्कॉलरशिप या फैलोशिप का लाभ प्राप्त न कर रहे हों।

**इनाम/लाभ:** तीन वर्ष के लिए प्रति माह 50,000 रुपये की छात्रवृत्ति व 50,000 रुपये तक की आक्समिक राशि प्राप्त होगी।

**अंतिम तिथि:** 15 सितंबर 2020

**आवेदन कैसे करें:** इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

**आवेदन लिंक:** www.b4s.in/au/ICA7